राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 10 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-189 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

थरूर बोले-

आरएसएस की मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली

- उनका मकसद देश को हिंदू राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना है

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि आरएसएस का मुख्य मकसद भारत को हिंदू राष्ट्र

और हिंदुत्व के रूप में आगे बढ़ाना है और यह मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली है। थरूर ने ये बात मुंबई में शुक्रवार शाम को इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस के कार्यक्रम में कही। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इसी कार्यक्रम में दिए बयानों को अच्छा संकेत माना है। उन्होंने कहा, मैं दस साल से संघ प्रमुख के बयानों को देख रहा हूं। अब उनमें बदलाव दिखता है। भागवत ने 6 जुलाई को जेन-जी और जेन-अल्फा से 1 घंटे तक बातचीत की थी। भागवत ने कहा था, जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं। हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो जंतर-मंतर पर इतना बड़ा आंदोलन हुआ।

अलग विचारधारा वालों के साथ भी बातचीत जरूरी

जो लोग चाहते हैं कि मुझे पार्टी (कांग्रेस)से निकाल दिया जाए, क्योंकि मैं उस मंच पर गया था जहां मोहन भागवत भी मौजूद थे। वे यह नहीं समझते कि अलग सोच रखने वालों के साथ भी बातचीत की जा सकती है। 2029 में जेन जी सबसे बड़ा वोटिंग ग्रुप होगा। देश के ज्यादातर हिस्सों को जागना होगा और इस बात को समझना होगा कि युवा बदलाव चाहते हैं। अब सब कुछ पहले जैसा नहीं चल सकता है ।दक्षिण एशिया की राजनीतिक पार्टियां अब यह नहीं मान सकतीं कि राजनीति के पुराने तरीके काम करते रहेंगे। मैं अपनी पार्टी में यही बात हमेशा कहता रहा हूं।

जिंदगी की परीक्षा में सिलेबस नहीं

पीएम मोदी ने छात्रों से कहा-जो सीखेगा वो ही जीतेगा

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में शानदार एकेडमिक परफॉर्मेंस को देखते हुए मेधावी छात्रों को संस्थान का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान दिए। दीक्षांत समारोह में पीएम मोदी ने आईआईटी ग्रेजुएट्स से कहा, कैंपस लाइफ में सारे फंडे क्लियर होते थे। लेकिन जिंदगी कुछ अलग तरह से चलती है। वहां न कोई कोर्स होता है, न कोई क्वेश्चन पेपर होता। कई बार तो यह भी कोई नहीं बताता कि असली सवाल क्या था। वो सवाल भी आपको कुछ पहचानना पड़ता है। पीएम मोदी ने छात्रों से कहा, आप इस समय जीवन के यादगार मूवमेंट को जी रहे हैं, उत्साह, उमंग, सपनों और भावनाओं से सराबोर इस मूवमेंट का हिस्सा बनना बड़ी बात है।

हर किसी का रास्ता और सपना अलग है

आज कई स्टूडेंट्स उनको उनकी उपलब्धियों के लिए मेडल्स भी मिले हैं। आज आप सभी स्टूडेंट्स इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं। लेकिन मन के किसे कोने में कुछ और चल रहा है। हर स्टूडेंट के मन में आने वाले कल की अपनी-अपनी तस्वीर होगी। हर किसी का रास्ता और सपना अलग है। फिर भी एक एहसास ऐसा जो आप सभी के मन में एक साथ आता है। आईआईटी दिल्ली में पहला और आखिरी दिन याद कीजिए। आज दुनिया तेजी से बदल रही है। ग्लोबल पावर बैलेंस भी प्रतिपल बदल रहा है। और इसके पीछे सबसे बड़ी फोर्स है- टेक्नोलॉजी की स्पीड। आज कोई भी निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि अगले 20-30 वर्षों बाद की दुनिया कैसे होगी। साथियों, जब-जब बदलाव का दौर आता है। तब-तब चुनौतियां भी आती है और नए अवसर भी पैदा होते हैं। दुनिया, टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्री और प्रोफेशन बदलेंगे लेकिन मेरी बात याद रखिए-जो सीखेगा वो जीतेगा।

डिग्री सिर्फ एग्जाम पास करने का प्रमाण नहीं

डिग्री सिर्फ एग्जाम पास करने का प्रमाण या अच्छा सीजीपीए हासिल करने का प्रमाण नहीं है, आपकी डिग्री यह बताती है कि आप कठिन समस्याओं का समाधान करना जानते हैं। आप

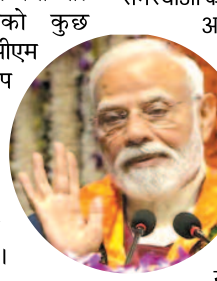

आईआईटी दिल्ली का सफर याद कीजिए। यहां पहुंचना या पढाई आसान नहीं था लेकिन आपने हार नहीं मानी। यह डिग्री एक दिन में नहीं मिली- एक-एक प्रोजेक्ट, एक-एक विषय, मिड-सेफ और एंड-सेम इन्हीं छोटे कदमों ने आपको यहां तक पहुंचाया है। जीवन भी इसी सिद्धांत पर चलता है। जब कभी कोई चुनौती बहुत बड़ी लगे तो उससे घबराइये मत, उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दीजिए। लाइफ में मुश्किलें आएंगी लेकिन मुश्किलों का स्वभाव होता है- वो अकेले नहीं आती, वह साथ-साथ मौके भी लाती है। सभी को बस अलर्ट रहना है। संस्थान ने जो सिखाया उसे बार-बार याद करना है। कैंपस का जीवन और कैंपस के बाहर के जीवन में बहुत बड़ा अंतर है।

राहुल का सरकार से सवाल

महिला आरक्षण लागू क्यों नहीं किया गया

- कांग्रेस नेता ने कहा-इसे परिसीमन से क्यों जोड़ रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही संसद से सर्वसम्मति से पास हो चुका है और कांग्रेस ने इसका पूरा समर्थन किया था। लेकिन तीन साल बाद भी कानून लागू नहीं किया गया है। राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल किया कि महिला आरक्षण कानून को लागू करने में देरी क्यों हो रही है और इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने सरकार से 2023 में पारित कानून को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने का मुद्दा विपक्ष उठाता रहा है और इसे पूरी तरह लागू करने की बात कहता रहा है। जबकि सरकार परिसीमन के जरिए लोकसभा सीटें बढ़ाकर इसे लागू करने की बात कह रही है।

राहुल ने भारतीय महिलाओं के हक को लेकर बयान दिया

दरअसल, राहुल ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कहा था कि भारत की महिलाओं को खुद को एक्सप्रेस करने की, कल्पना करने की मंजूरी नहीं है। कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को एक्सप्रेस न करें। रिजिजू ने उनके बयान पर रिप्लाई करते हुए लिखा था कि ये कांग्रेस की तरफ से एक पॉजिटिव मैसेज लगता है। राहुल के मन में महिलाओं को लेकर बदलाव आया है। उम्मीद है कि कांग्रेस बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण बिल का समर्थन करेगी। 2023 के कानून के मुताबिक, यह 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकेगा। इसके लिए सरकार संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक 2026 बिल पास कराना चाहती है।

डीपफेक पर मेटा से मोदी सरकार की दो टूक

कार्रवाई करो या जवाबदेही के लिए तैयार रहो!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मेटा से डीपफेक पर कार्रवाई करने को कहा है। वहीं मेटा के साथ हुई बैठकों के नतीजों की समीक्षा के बाद आगे उठाए जाने वाले कदमों को लेकर कानूनी राय ली जाएगी। सूत्रों ने कहा कि मूल सवाल यह है कि मेटा भारतीय कानून के तहत मध्यस्थों के लिए निर्धारित प्रावधानों का पालन कर रहा है या उनका उल्लंघन कर रहा है और सरकार इस पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अन्य ऑनलाइन मंचों को भी बुलाएगी और यह जांच करेगी कि क्या वे भारतीय कानून के तहत मध्यस्थ की परिभाषा के दायरे में आते हैं।

मेटा की टीम से कड़ी पूछताछ

केंद्र सरकार ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा की टीम से दो दिन की कड़ी पूछताछ के बाद शुक्रवार को तीसरे दिन तकनीकी स्तर पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें डीपफेक, बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) और बिना लेबल वाली एआई-जनित सामग्री के संबंध में कंपनी की कार्ययोजना पर विशेष ध्यान रहा। मेटा के साथ सरकार की यह बैठक फेसबुक पोस्ट पर अस्थायी रोक के बाद हुई है।

सुप्रीम लीडर का न चेहरा दिखा, न हाथ मिलाया

ईरानी राष्ट्रपति ने मोजतबा खामेनेई से की सीक्रेट मुलाकात, पहचान भी नहीं पाए

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की देश के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से सीक्रेट मुलाकात की जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक पेजेश्कियान को राजधानी तेहरान में एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था, जहां उन्होंने सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के साथ बहुत छोटी मुलाकात की। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा खामेनेई एक ऐसी कार में थे, जिसकी विंडो बहुत काली थी। कार के अंदर घना अंधेरा था, जिससे पेजेश्कियान उन्हें देख भी नहीं पाए। मुलाकात के बाद भी भरोसा नहीं हो रहा था।

मुलाकात के लिए एक सीक्रेट जगह को चुना गया

इस मुलाकात के लिए सर्वोच्च नेता के ठिकाने के बजाय एक सीक्रेट जगह को चुना गया। पेजेश्कियान को उनकी सुरक्षा टीम तेहरान में एक गुप्त जगह ले गई। वहां, उन्हें अपनी गाड़ी से निकालकर एक दूसरी कार में बिठाया गया। उस कार की खिड़कियों पर गहरे रंग के शीशे लगे थे, जिसके अंदर मोजतबा खामेनेई इंतजार कर रहे थे। कार के अंदर इतना अंधेरा था कि वे एक-दूसरे को देख तक नहीं पाए। ईरान इंटरनेशनल ने राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि पेजेश्कियान ने इस मुलाकात को अपमान की तरह लिया।

सरकार ने अरुणाचल की 27 जगह मैप में की शामिल

चीन की वजह से ऐसा किया, इसने कई बार भारतीय इलाकों के नाम बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक नक्शे पर दर्ज किया। यह कदम चीन की ओर से राज्य की जगहों के नाम बदलने की कोशिशों के बीच उठाया गया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश सरकार से सलाह लेकर किया गया है। इसका मकसद इन जगहों की सही पहचान बताना और आम लोगों में जागरुकता बढ़ाना है। इन नामों को आधिकारिक मानचित्रों में शामिल करने का मकसद प्रशासन को बेहतर बनाना है। इससे सरकारी रिकॉर्ड में एकरूपता आएगी, अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और आपदा के समय मदद पहुंचाने में आसानी होगी।

टीएमसी की पूर्व नेता बन सकती हैं केन्द्र में मंत्री

- सायोनी घोष को ट्रोल होने का मिल सकता है ईनाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बाद जब टीएमसी के 20 सांसद बागी हुए थे तो अविवाहित और सबसे युवा सायोनी घोष सबसे ज्यादा ट्रोल हुई थीं। इसकी वजह उनके पिछले भाषण थे। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद सायोनी घोष दंगल-दंगल गाने के साथ एक्स पर पोस्ट साझा करके बड़े संकेत दे दिए हैं। दावा किया जा रहा है कि प्रमोशन लिस्ट में सायोनी घोष का नाम शामिल है। मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल होने पर उन्हें राज्यमंत्री बनाया जा सकता है। सायोनी घोष उम्र के उस क्राइटेरिया पर फिट बैठ रही है जिसके इर्द-गिर्द बीजेपी स्क्रीनिंग कर रही है।

अभिनेत्री, गायिका फिर सांसद अब मंत्री!

27 जनवरी, 1993 को जन्मी सायोनी घोषी जेन जेड में नहीं आती हैं लेकि वह काफी नजदीक हैं। जेन जी का आयु वर्ग 1997 से 2012 तक है। राज्य मंत्री के तौर पर उन्हें अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। सायोनी घोष अभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर से सांसद हैं। वह अच्छा काम करती है तो ईनाम मिलेगा।

अमेरिकी प्रेशर के बीच भी भारत-रूस का बड़ा दांव

- रिपोर्ट में खुलासा, अब नए अवतार में दिखेगी दशकों पुरानी दोस्ती!

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी देशों के प्रेशर को धता बताते हुए भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने की तैयारी चल रही है। दोनों देश इस तरह से अपनी रणनीतिक साझेदारी को डिजाइन कर रहे हैं जिसमें ग्लोबल पॉलिटिक्स में तेजी से बदलते जियोपॉलिटिकल हालात, आर्थिक और रणनीतिक बदलावों और अनिश्चितताओं का सामना कर सकें। यह साझेदारी इसलिए और भी अहम हो जाती है क्योंकि यूरेशियाई इलाका इंटरनेशनल सिस्टम में बड़े बदलावों का केंद्र बन रहा है। अमरीकी प्रेशर बढ़ता जा रहा है। दोनों देश इस मुकाबले के लिए तैयार हो रहे हैं।

छात्रों के समर्थन में एबीवीपी का सीएम आवास मार्च

10 स्टूडेंट्स हिरासत में

पुलिस से झड़प में कई घायल

रांची (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की झारखंड इकाई ने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में शनिवार को रांची में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च किया। मार्च की शुरुआत यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से हुई। एबीवीपी कार्यकर्ताओं के सीएम हाउस मार्च के दौरान जब प्रदर्शनकारियों को रांची पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ प्रदर्शनकारी सड़क पर लेट गए और कुछ पुलिस की गाड़ी पर चढ़ गए। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अजय आर्यन ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास के पास एबीवीपी कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई और उन्होंने अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। आठ से 10 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है और उन्हें लालपुर थाने ले जाया जाएगा। हिरासत में लिए गए लोगों में एबीवीपी के पदाधिकारी प्रदीप शेखावत, पशुपतिनाथ उपमन्यु और प्रकाश टुटी शामिल हैं। अजय आर्यन ने बताया कि प्रदर्शनकारी एबीवीपी कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से मुख्यमंत्री आवास की ओर विरोध मार्च निकाल रहे थे। किसी भी संभावित अप्रिय स्थिति से बचने के लिए उन्हें बीच में ही रोक दिया गया।

छात्रों की आवाज दबाने का आरोप

हिरासत में लिए गए एबीवीपी के एक कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि पुलिस छात्रों की आवाज दबाने पर तुली हुई है। उनकी लड़ाई सरकार और उसकी नीतियों से है। छात्र और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी दो सप्ताह से अधिक समय से यहां जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं लेकिन राज्य सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं कर रही। संगठन की ओर से आंदोलनकारियों के प्रति समर्थन जताने के लिए यह मार्च निकाला। एबीवीपी नेताओं का कहना है कि छात्र और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी दो सप्ताह से अधिक समय से यहां स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहे हैं।

योगी के कार्यक्रम से पहले आसमान में दिखा संदिग्ध ड्रोन

मेरठ पुलिस के हाथ पांव फूले, हड़कंप, एटीएस ने की घेराबंदी

मेरठ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेरठ दौरे से ठीक पहले उस समय पुलिस-प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए, जब कार्यक्रम स्थल के आसपास आसमान में एक ड्रोन उड़ता दिखाई दिया। मुख्यमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर इलाके में पहले से ही भारी पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियां तैनात थीं। ऐसे में बिना अनुमति ड्रोन उड़ता देख अधिकारियों ने तत्काल उसे गंभीरता से लिया। ड्रोन दिखाई देने के बाद मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उसकी पहचान और ऑपरेटर का पता लगाने का प्रयास शुरू किया। एसपी सिटी विनायक गोपाल भौसले ने वहां मौजूद मीडियाकर्मियों से भी जानकारी लेते हुए पूछा कि ड्रोन किसका है और इसे कौन उड़ा रहा है। जब किसी भी मीडिया कर्मी ने ड्रोन को अपना नहीं बताया तो पुलिस ने ड्रोन संचालक हेंड माइक से चेतावनी जारी की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद का मानसून सत्र : हंगामे के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

विनोद सिंह 'तकियावाला

वर्तमान मानसून सत्र के शेष दिनों को इसलिए टकराव के बजाय संवाद का अवसर बनाया जाना चाहिए। सरकार को अपनी विधायी प्राथमिकताओं पर विपक्ष को विश्वास में लेना चाहिए। विपक्ष को भी अपनी राजनीतिक असहमति को संसदीय बहस में बदलना चाहिए। सदन की गरिमा केवल आसन पर बैठे सभापति या अध्यक्ष से नहीं बनती। वह प्रत्येक सांसद के आचरण से बनती है।

सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है।

भारतीय लोकतंत्र में संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं है। संसद वह सर्वोच्च मंच है जहाँ देश की जनता की आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ,असहमति और समस्याएँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। दोनों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और अपने निर्णयों का जवाब देना सरकार का दायित्व। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संवाद में है। वर्तमान मानसून सत्र की तस्वीर इस लोकतांत्रिक भावना के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन की कार्यवाही में व्यवधान के कारण अपेक्षित गंभीर चर्चा से दूर रह गए हैं। सत्र के कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में यह सत्र संसदीय इतिहास में विधायी कार्यों के साथ हंगामे और गतिरोध के लिए भी याद किया जा सकता है। संसद में संख्या बल की अपनी वास्तविकता है। सरकार के पास बहुमत है तो उसे कानून बनाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। विपक्ष के पास संख्या कम है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी आवाज का महत्व कम हो गया। लोकतंत्र में बहुमत सरकार बनाता है। विपक्ष सरकार को आईना दिखाता है। दोनों की भूमिकाएँ अलग हैं। दोनों की जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसी संसदीय वातावरण में 2029 के आम चुनाव से पहले परिसीमन का प्रश्न देश की राजनीति के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह केवल लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने या घटाने का विषय नहीं है। इसके साथ देश के संघीय ढाँचे, राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व,जनसंख्या नियंत्रण और महिला आरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं।

इस वर्ष केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक के माध्यम से लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें राज्यों के लिए अधिकतम 815 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 35 सीटों का प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व के पुनर्संयोजन के साथ महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को प्रभावी बनाने की संवैधानिक राह तैयार करना भी था। मगर इस प्रस्ताव को आवश्यक राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सका। संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक विशेष बहुमत प्राप्त नहीं कर पाया और आगे नहीं बढ़ सका। इससे जुड़ी परिसीमन संबंधी प्रक्रिया भी उसी समय रुक गई। इसलिए वर्तमान स्थिति में 850 सदस्यीय लोकसभा की कोई अंतिम और लागू व्यवस्था नहीं है। 2029 के चुनाव से पहले यदि इस दिशा में कोई नया संवैधानिक प्रयास होता है तो उसे संसद की निर्धारित प्रक्रिया और व्यापक राजनीतिक

सहमति से गुजरना होगा।

यहीं से परिसीमन का वास्तविक प्रश्न शुरू होता है। भारत में जनसंख्या के आधार पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सिद्धांत लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वाभाविक दिखाई देता है। मगर भारत जैसे विशाल और विविध देश में केवल जनसंख्या को आधार बनाकर प्रतिनिधित्व तय करना अपने साथ कई दूसरे प्रश्न भी खड़े करता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इन राज्यों की चिंता है कि यदि भविष्य में सीटों का पुनर्विन्यास केवल जनसंख्या के आधार पर होता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम हो सकता है।

दूसरी ओर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की अपनी दलील है। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व में जनसंख्या का उचित प्रतिबिंब होना चाहिए। यही वह संतुलन है जिसे साधना आसान नहीं है। यदि किसी राज्य ने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है तो उसे इसका राजनीतिक नुकसान नहीं होना चाहिए। साथ ही अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को उनके वास्तविक जनसंख्या भार के अनुरूप प्रतिनिधित्व से वंचित रखना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से स्थायी समाधान नहीं हो सकता। समाधान दोनों के बीच संतुलन में ही संभव है। इसीलिए परिसीमन का प्रश्न सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सामान्य राजनीतिक मतभेद से कहीं बड़ा है। यह भारतीय संघीय व्यवस्था की संवेदनशील परीक्षा है। तमिलनाडु, केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को उत्तर प्रदेश,बिहार और राजस्थान जैसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता के साथ संतुलित करना होगा। डीएमके, समाजवादी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्तियों को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय उनके पीछे मौजूद संघीय चिंता को समझना होगा। महिला आरक्षण भी इसी विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान भारतीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन की क्षमता रखता है। स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने पहले ही यह प्रमाणित किया है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए परिसीमन से जुड़ी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। इसलिए सीटों के पुनर्विन्यास और महिला प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा। यह काम जल्दबाजी में नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक संवाद के माध्यम से होना चाहिए। इसी मानसून सत्र में विदेशी अंशदान से संबंधित विधायी प्रस्ताव भी चर्चा का विषय है। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक 2026 का उद्देश्य विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही और निगरानी को मजबूत करना है। पंजीकरण समाप्त होने या प्रमाणपत्र रद्द होने की स्थिति में विदेशी अंशदान से अर्जित धन और उससे निर्मित संपत्तियों के प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। विदेशी धन का पारदर्शी उपयोग किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए महत्वपूर्ण विषय है। भारत में बड़ी संख्या में सामाजिक,शैक्षणिक, धार्मिक और जनसेवी संस्थाएँ विदेशी अंशदान प्राप्त करती हैं। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि विदेशी धन का दुरुपयोग न हो और राष्ट्रीय हित प्रभावित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वैध और जनहितकारी संस्थाओं के कामकाज में अनावश्यक प्रशासनिक बाधाएँ उत्पन्न न हों। प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन में विदेशी अंशदान संबंधी उल्लंघनों के लिए कारावास की अधिकतम अवधि को पाँच वर्ष से घटाकर एक वर्ष करने का प्रस्ताव भी शामिल है। आर्थिक दंड की व्यवस्था बनी रहेगी। पंजीकरण निलंबित या रद्द होने की स्थिति में संबंधित संस्थाओं की परिसंपत्तियों के प्रबंधन को लेकर भी प्रावधान प्रस्तावित हैं। इन प्रावधानों पर संसद में व्यापक चर्चा इसलिए जरूरी है ताकि कानून कठोर होने के साथ निष्पक्ष और स्पष्ट भी रहे।

परिसीमन और एफसीआरए दोनों विषय अपनी प्रकृति में अलग हैं। एक देश के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन से जुड़ा है। दूसरा विदेशी धन के नियमन और संस्थागत जवाबदेही से। दोनों में एक बात समान है। दोनों विषयों पर संसद में गंभीर बहस की आवश्यकता है। दुर्भाग्य यह है कि लगातार हो रहे व्यवधानों के कारण ऐसी बहस का अवसर सीमित होता जा रहा है। विपक्ष को सरकार से प्रश्न पूछने का पूरा अधिकार है। गंभीर आरोपों पर जवाब माँगना भी उसका दायित्व है। सरकार को विपक्ष की आपत्तियों का उत्तर देना चाहिए। महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा के लिए समय देना चाहिए। मगर विरोध और व्यवधान के बीच अंतर समझना भी उतना ही आवश्यक है। संसद को रोक देना किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक विजय नहीं हो सकती। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए भेजती है कि वे उसकी आवाज उठाएँ और देश के भविष्य से जुड़े कानूनों पर विचार करें। सदन की कार्यवाही बाधित होने का अर्थ है कि जनता से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा का अवसर समाप्त हो जाना। सत्ता पक्ष को भी संख्या बल का अहंकार लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। बहुमत सरकार को कानून बनाने की शक्ति देता है। बहुमत सरकार को संवाद से मुक्त नहीं करता। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि संख्या में कम होने के बावजूद उसकी राजनीतिक शक्ति तर्क,तथ्य और जनहित के मुद्दों से बढ़ सकती है। संसद में मजबूत विपक्ष का अर्थ केवल विरोध नहीं है। मजबूत विपक्ष वह है जो सरकार से सवाल भी करे और वैकल्पिक दृष्टि भी प्रस्तुत करे। 2029 का आम चुनाव अभी सामने नहीं है। उसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि अवश्य तैयार होने लगी है। परिसीमन का प्रश्न आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति का एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। महिला आरक्षण,जनसंख्या नियंत्रण और राज्यों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन साधना राजनीतिक नेतृत्व की गंभीर परीक्षा होगी। भारत की विविधता को देखते हुए किसी भी संवैधानिक बदलाव को केवल संख्या के आधार पर नहीं देखा जा सकता। उत्तर और दक्षिण भारत की अलग-अलग जनसांख्यिकीय वास्तविकताएँ हैं। राज्यों की अपनी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं। छोटे राज्यों की अपनी चिंताएँ हैं। महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अपना महत्व है। इन सभी को एक साथ लेकर चलना ही भारतीय संघवाद की वास्तविक भावना है। इसीलिए परिसीमन का समाधान टकराव में नहीं बल्कि सहमति में तलाशना होगा। संसद में दो- तिहाई बहुमत की संवैधानिक आवश्यकता केवल संख्या का गणित नहीं है। इसके पीछे यह भावना है कि संविधान में बड़े बदलाव व्यापक राजनीतिक सहमति के साथ ही किए जाएँ।

संपादकीय

पर्यटन की सीमा रेखा

पर्यटन की सीमा रेखा का उल्लंघन अंततः प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की ट्रांसफर सुनिश्चित कर गया। कथित रेव पार्टियों के आयोजन में प्रशासन की सुस्ती और इस तरह की गतिविधियों को पर्यटन मान लेने की गलती का नतीजा यह कि देश के कानून ने अधिकारियों के रवैये को सही नहीं माना। कुल्लू जिला के एसपी और डीसी को सर्वोच्च अदालत से भी राहत नहीं मिली। नतीजतन ये अफसर हटाने पड़े। यहां यह समझने की जरूरत है कि पर्यटन और पर्यटन में मनोरंजन में क्या सही और क्या गलत है। रेव पार्टियां पहले से ही पर्यटन की कुख्यात सहेलियां हैं, जो अवांछित गतिविधियों और नशे की दुकान की तरह, परिवेश के लिए चुनौती हैं। कुल्लू के कसौल क्षेत्र या पार्वती घाटी के अमन में छेद करता पर्यटन इतना निरंकुश कैसे हो सकता है कि मनोरंजन के नाम पर नशा चल जाए। इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ दिया गया बड़ा फैसला माना जाना चाहिए, जहां प्रशासनिक लापरवाही दंडित हुई है। पर्यटन की प्रवृत्ति में अपराध की कई संज्ञाएं शिरकत कर रही हैं। इसके श्याम पक्ष का एक चित्रण अदालत के फैसले में हुआ, तो कई तरह के अपराध पर्यटन के बहाने हिमाचल को बदनाम करते हैं। यह भी एक तथ्य है कि पर्यटन के साथ अपराध का एक संगठित स्वरूप भी कार्यरत है। अंतरराज्यीय अपराध की कई शाखाएं इस बहाने प्रदेश के माहौल को तार-तार कर रही हैं। दुर्भाग्यवश हमने सस्ता पर्यटन, बिगड़ैल व्यापार और पूरे उद्योग को धंधा मान लिया, जबकि यह अति कोमल, सुसंस्कृत, शिष्टाचारी व सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा होना चाहिए। हम मलाणा क्रीम के ब्रांड के नीचे पवित्र कैसे रह सकते हैं। दरअसल हमने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के नाम पर इजरायली पर्यटन को विस्तार देते हुए कसोल और धर्मकोट को मिनी इजराइली बना दिया, तो घरेलू पर्यटन को तीर्थ यात्रा का अति साधारण पक्ष मान लिया। तीर्थ यात्राओं का अपना महत्त्व व विशेषता हो सकती है, लेकिन ये तो लंगर सेवा और आवांछित तत्त्वों के आगमन का खुला रास्ता बन गए।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके ह्रास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल व्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर व्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

कांग्रेस की नई टीम में फिर बढ़ा कुनबा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बार बार प्रचारित यह किया जा रहा था कि इस बार कांग्रेस हाईकमान उत्तराखंड में सीमित पदाधिकारियों को लेकर अपनी टीम का गठन करेगी।कांग्रेस प्रभारी शैलजा ने भी पूछने पर यही संकेत दिए थे, लेकिन अब जो कार्यकारिणी सामने आई है ,उसने संख्या बल के पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ दिए है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के नेताओं को तो जिम्मेदारी दी गई है,उनकी संख्या इतनी बढ़ा दी कि पद का ही महत्व कम हो गया है।प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में गोदावरी थपलियाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा 24 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष, 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव और 107 नेताओं को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं के साथ कुछ युवा चेहरों को भी जगह दी गई है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि नई टीम आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।वही भाजपा ने इसे खोदा पहाड़ निकली चुहिया बताया।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए पांच महत्वपूर्ण समितियों का भी गठन कर दिया है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कार्यकारिणी समिति, घोषणापत्र समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, एसआईआर समिति और चार्जशीट समिति के गठन की घोषणा की गई है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हों गई है।

प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ नेताओं गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गुरदीप सिंह सप्पल, काजी निजामुद्दीन, करन माहरा, डॉ. हरक सिंह रावत, भुवन चंद्र कापड़ी समेत 41 नेताओं को शामिल किया गया है। घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष विधायक भुवन कापड़ी को बनाया गया है।समिति में डॉ.प्रेम बहुखंडी संयोजक बनाये गए है, जबकि गुरदीप सिंह सप्पल, सूर्यकांत धस्माना और सुजाता पॉल सदस्य बनाए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की कमान विक्रम सिंह नेगी को सौंपी गई है। वहीं एसआईआर समिति के अध्यक्ष मनोज रावत होंगे। चार्जशीट समिति की अध्यक्षता पूर्व पीसीसी चीफ करन माहरा करेंगे, जबकि इस समिति में मनोज रावत, डॉ. प्रेम बहुखंडी और डॉ. प्रतिमा सिंह को सदस्य बनाया गया है।इतने बड़े स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति और टिकट बंटवारे व गुटबाजी को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है।

एसआईआर कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मनोज रावत के साथ ही कमेटी में अमरेंद्र बिष्ट, एडवोकेट संदीप चमोली को सदस्य बनाया गया है। पीसीसी की नई कार्यकारिणी में जिन 24 नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है।उनमें हेमश खर्कवाल, विजय सारस्वत, सूर्यकांत धस्माना, धीरेंद्र प्रताप, राजकुमार, मनोज रावत, सतीश नैनवाल, लालचंद शर्मा, सहरियार खान, सीपी सिंह, संजय पालीवाल, राजेंद्र पाल सिंह, सुखविंदर कौर, राजीव महर्षि, अनुपम शर्मा, हेमंत बगड़वाल, मधु सांगुरी, डॉ. प्रेम बहुखंडी और दर्शन लाल समेत अन्य नेता शामिल है। इसके साथ ही नई कार्यकारिणी में 36 नेताओं को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें राजेंद्र भंडारी, नवीन जोशी, अभिषेक सिंह, विजय गुनसोला, तेलू राम, पुष्कर जैन, राकेश लाल शाह, दीप शर्मा, मकबूल कुरैशी, अमरजीत सिंह, याकूब सिद्दीकी, राजेंद्र शाह, जसवंत सिंह चौहान, सुमित्तर भुल्लर, अनीता शर्मा, जयेंद्र रमोला, संजय किरोला और राजेंद्र तंगरिया समेत अन्य नेता शामिल हैं।प्रदेश सचिव पद पर तो 107 नेताओं को विराजमान किया गया है,जिनके प्रदेश कार्यालय में बैठने की व्यवस्था करना भी टेढ़ी खीर होगा।सवाल यह भी है कि पदाधिकारी बने ये नेता क्या वास्तव में दम तोड़ चुकी कांग्रेस में प्राणवायु का संचार कर पाएंगे या फिर गाड़ियों पर पदों की पट्टी लगाकर सिर्फ रोब गालिब करेंगे।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक व वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं।

विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहासः-

विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्त्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरूआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है।

जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रमः-

भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है।

जैव-ईंधन और संभावनाएंः-

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्त्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है। किसानों के लिए यह केवल फसल पैदा करने तक सीमित आय का माध्यम नहीं, बल्कि कृषि अवशेषों से अतिरिक्त आर्थिक मूल्य प्राप्त करने का अवसर भी बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में जैव-ईंधन की भूमिकाः-

जैव ईंधन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टिकाऊ तरीके से उत्पादित जैव ईंधन जीवाश्म ईंधनों की तुलना में जीवन-चक्र के आधार पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में योगदान दे सकता है। साथ ही कृषि और जैविक कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में होने से खुले में कचरा तथा कृषि अवशेष जलाने की आवश्यकता को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, जैव ईंधन को हर परिस्थिति में पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल मानना उचित नहीं होगा। यदि जैव ईंधन उत्पादन के लिए खाद्य फसलों, भूमि और जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाए, तो इससे खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग और जैव विविधता से जुड़ी नई चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा, जल संरक्षण, भूमि उपयोग, जैव विविधता और जीवन-चक्र उत्सर्जन को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ तरीके से जैव ईंधन का उत्पादन और उपयोग करना आवश्यक है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलियम से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर उपलब्ध कृषि अवशेषों और अन्य जैविक संसाधनों से ऊर्जा तैयार करना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। जैव ईंधन के बढ़ते उपयोग से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से कच्चे तेल के आयात में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी जैसे लाभ भी सामने आए हैं। इस प्रकार जैव ईंधन केवल ऊर्जा का वैकल्पिक स्त्रोत नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है।

निष्कषः-

अंत में यह कहना उचित होगा कि जैव ईंधन केवल पेट्रोल और डीजल का विकल्प नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण, कचरा प्रबंधन, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए इसकी संभावनाएँ और भी व्यापक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि जैव ईंधन के उत्पादन में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए तथा कृषि अवशेषों और जैविक कचरे का अधिक से अधिक उपयोग ऊर्जा उत्पादन में किया जाए। साथ ही खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों और पर्यावरणीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाए। इसलिए जैव ईंधन केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में दूध महंगा, 11 अगस्त से 2 रुपए प्र ति लीटर की बढ़ोतरी

पुणे ।

महाराष्ट्र में उपभोक्ताओं को अब दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। मंगलवार, 11 अगस्त से गाय और भैंस के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि लागू होगी। यह फैसला बढ़ती उत्पादन लागत के मद्देनजर लिया गया है। मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की हाल ही में हुई बैठक में प्रमुख सहकारी व निजी डेयरियों ने इस मूल्य वृद्धि पर सहमति जताई। एसोसिएशन के अनुसार कीमतों में वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ है, वहीं पैकेजिंग खर्च में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अतिरिक्त, दूध की खरीद कीमत भी बढ़ गई है और आने वाले समय में इसमें और वृद्धि की संभावना है। इन बढ़ती लागतों को देखते हुए, दूध की बिक्री कीमत में वृद्धि का फैसला किया गया है। साथ ही डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

गोबरधन योजना से भारत को पांच अरब डॉलर की बचत संभव- आईबीए

नई दिल्ली।

भारतीय बायोगैस संघ (आईबीए) का मानना है कि केंद्र सरकार की 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना देश के प्राकृतिक गैस आयात बिल को आने वाले वर्षों में करीब पांच अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) तक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आईबीए के अनुसार, कृषि अवशेष और जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने पर केंद्रित यह योजना मात्र सरकारी खर्च नहीं, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय निवेश है। संघ ने कहा कि भारत अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग 50 फीसदी आयात करता है। यदि करीब 1,500 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र पूरी क्षमता से संचालित होते हैं, तो प्राकृतिक गैस आयात में एक-तिहाई कमी लाई जा सकती है, जिससे सालाना करीब पांच अरब डॉलर की बचत होगी। यह योजना उर्वरक आयात और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को भी कम करेगी। 1,500 सीबीजी संयंत्रों के संचालन से उर्वरक आयात में कम से कम पांच प्रतिशत (एक अरब डॉलर) की कमी आ सकती है। इसके अलावा, गोबरधन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होगी।

भारतीय सेना और बुलेट का अटूट रिश्ता- भरोसे की एक ऐतिहासिक गाथा

नई दिल्ली ।

स्वतंत्रता दिवस पर राजपथ से लेकर दुर्गम सीमाओं तक, जब भारतीय सेना के जांबाज मार्च पास्ट करते हैं, तब उनकी वीरता के साथ रॉयल एनफील्ड बुलेट की गड़गड़ाहट विशिष्ट पहचान बन जाती है। यह रिश्ता केवल एक वाहन और उसके चालक का नहीं, बल्कि देशभक्ति, भरोसे और गौरव की एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। दशकों से बुलेट ने देश की रक्षा में, कठिन से कठिन रास्तों पर एक विश्वसनीय साथी की भूमिका निभाई है।

आज़ादी के तुरंत बाद 1947-48 के युद्ध ने कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फीले व पथरीले इलाकों में गश्त के लिए मजबूत और भरोसेमंद बाइक की तत्काल जरुरत का एहसास हुआ। कठोर परीक्षणों के बाद, रॉयल एनफील्ड बुलेट 350, अपने फोर-स्ट्रोक इंजन और आधुनिक रियर सस्पेंशन के कारण, सभी सैन्य मापदंडों पर खरी उतरी। वर्ष 1952 में, भारत सरकार ने ब्रिटेन की रॉयल एनफील्ड कंपनी को बुलेट 350 की 800 यूनिट्स का पहला ऑर्डर दिया, जो 1953 में भारतीय सेना के बेड़े का हिस्सा बनीं।

बढ़ती मांग और रखरखाव जरूरतों को देखकर 1955 में इंग्लैंड की रॉयल एनफील्ड और भारत की मद्रास मोटर्स ने मिलकर एनफील्ड इंडिया की नींव रखी। चेन्नई के तिरुवोट्टियूर में संयंत्र स्थापित किया गया और 1962 तक बुलेट का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही होने लगा। आज यह भारतीय कंपनी ही पूरे विश्व में रॉयल एनफील्ड ब्रांड का संचालन कर रही है।

दशकों तक सीमाओं पर धाक जमाने वाली बुलेट के अलावा, आधुनिक सेना के बेड़े में अब कई नई गाड़ियां शामिल हैं। मोटरसाइकिलों में रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 और क्लासिक 500 के साथ-साथ हीरो जी.एस. 150आर, टीवीएस अपाचे और रॉयल एनफील्ड हिमालयन का उपयोग हो रहा है। मारुति जिप्सी की जगह अब मजबूत टाटा सफारी स्टॉर्म (जीएस800), महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक और फोर्स गुर्खा जैसी 4×4 एसयूवी ले रही हैं।

कंपनियों के नतीजे और महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार बढ़त दर्ज की, जहां सेंसेक्स 78,499.17 और निफ्टी 24,570.65 के नए स्तरों पर बंद हुए। अब निवेशकों की निगाहें इस सप्ताह कई घरेलू और वैश्विक कारकों पर टिकी हैं, जो बाजार की अगली चाल तय करेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और भू-राजनीतिक तनाव अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचएएल, भारत फोर्ज और ग्रासिम इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज फर्में शामिल हैं। कंपनियों के मुनाफे, बिक्री और भविष्य के अनुमानों पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बेहतर प्रदर्शन बाजार को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकता है, जबकि कमजोर नतीजे दबाव बना सकते हैं। 12 अगस्त को जुलाई माह के खुदरा महंगाई (सीपीआई) आंकड़े जारी होंगे, जिनके साथ थोक महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा पर भी नजर रहेगी। महंगाई के आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी ब्याज दरों की नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ेगी, जो बाजार के लिए सकारात्मक होगी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में चल रहा तनाव एक बड़ा वैश्विक ट्रिगर बना हुआ है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। तनाव में कमी से वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, जबकि किसी भी वृद्धि से शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है।

हुडको का ऋण पोर्टफोलियो 2 लाख करोड़ के पार

अगले वित्त वर्ष में विस्तार हेतु घरेलू-विदेशी बाजारों से जुटाएगी बड़ी पूंजी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के अवसंरचना वित्तपोषण संस्थान हुडको ने चालू वित्त वर्ष में अपने ऋण पोर्टफोलियो के 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान जताया है। कंपनी अगले वित्त वर्ष में अपने विस्तार के लिए 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की बड़ी योजना पर काम कर रही है, जो उसकी बढ़ती परिसंपत्तियों को वित्तपोषित करेगी। हुडको के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में 1.62 लाख करोड़ रुपए रहा ऋण पोर्टफोलियो, मजबूत मांग के चलते इस वित्त वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू और विदेशी बाजारों से कुल 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है। इसमें से 20,000 करोड़ रुपए पहली तिमाही में जुटाए जा चुके हैं, जबकि शेष 55,000 करोड़ रुपए अगली तीन तिमाहियों में आएंगे। धन जुटाने के लिए 'कैपिटल गेन' बॉन्ड (1,000 करोड़ रुपए तक) और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जैसे माध्यमों का उपयोग होगा। चालू वित्त वर्ष के लिए हुडको का लक्ष्य 65,000 करोड़ रुपए के कर्ज वितरण का है।

बीते सप्ताह सोना 6,000 से ज्यादा उछला, चांदी 2.3 लाख के पार

कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से सोना-चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में यह हफ्ता सोने और चांदी के लिए रिकॉर्ड तेजी लेकर आया। वैश्विक बाजार में कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के चलते एक ही हफ्ते में सोने का दाम 6,000 रुपए से अधिक और चांदी 13,000 रुपए से ज्यादा चढ़ गई। इस जोरदार उछाल से निवेशकों में खुशी है, वहीं खरीदारों को अब अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक 24 कैरेट सोना इस हफ्ते 6,761 रुपये महंगा होकर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। गहने बनाने में इस्तेमाल होने वाला 22 कैरेट सोना भी 6,093 रुपए बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी की कीमतों में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम हुई है। इसी के साथ डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं में निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे इनकी कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

सेंसेक्स की 10 में से चार प्रमुख कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 1.43 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस, टीसीएस व एलएंडटी भी फायदे में, जबकि एचडीएफसी बैंक और एलआईसी को नुकसान

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में मिलाजुला रुख रहा। जहां एक ओर चार कंपनियों ने सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं छह अन्य कंपनियों को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को इस दौरान सबसे अधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने निवेशकों का विश्वास जीता और इसका बाजार पूंजीकरण 63,922 करोड़ रुपये बढ़कर 10.11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज भी मजबूत रही, जिसका बाजार मूल्यांकन 32,816 करोड़ रुपये बढ़कर 18.01 लाख करोड़ रुपये रहा और वह शीर्ष पर कायम रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 31,875 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 14,637 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। हालांकि, इन सकारात्मक रुझानों के बावजूद कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को सर्वाधिक 40,543 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट का सामना करना पड़ा, जिससे इसका मूल्यांकन घटकर 4.96 लाख करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत में भी 37,168 करोड़ रुपये की कमी आई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 24,183 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 9,507 करोड़ रुपये घटा।

भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर को भी क्रमशः 7,581 करोड़ रुपये और 4,793 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सप्ताह के अंत में बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025–26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है।

भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

अल नीनो से भारत स हित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतरा- एसएंडपी

खाद्य महंगाई, कृषि उत्पादन में कमी और जलविद्युत पर असर की आशंका

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अन्य एशियाई देशों ने भी खाद्य भंडार बढ़ाने, आयात योजना में सुधार और सिंचाई ढांचे में निवेश जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, कृषि पर अधिक निर्भर अर्थव्यवस्थाएं और खाद्य आयात पर निर्भर उपभोक्ता गंभीर प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहेंगे।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

सोयाबीन–पाम तेल में लागत से कम दाम पर बिकवाली

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

एनसीएलएटी में 'लॉग 9' की याचिका खारिज

100 ईवी की बरामदगी में सहयोग का आदेश बरकरार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिवाला प्रक्रिया में फंसी लॉग 9 मोबिलिटी के दो निलंबित निदेशकों को बड़ा झटका दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज से पट्टे पर लिए गए 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पहचान और बरामदगी में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था।एनसीएलएटी ने इन निदेशकों की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने अहमदाबाद स्थित एनसीएलटी पीठ के 21 जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी। एनसीएलटी ने लॉग 9 मोबिलिटी के दोनों निलंबित निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज के कार्यालय में उपस्थित होकर फरीदाबाद स्थित लॉग 9 मोबिलिटी के परिसर से 100 ईवी की पहचान और बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। निदेशकों ने तर्क दिया था कि जेनसोल के साथ उनका कोई सीधा अनुबंध नहीं है और एनसीएलटी को किसी अन्य कॉरपोरेट देनदार की निलंबित प्रबंधन टीम के अधिकारियों को ऐसे निर्देश देने का अधिकार नहीं है। हालांकि, एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने इन दलीलों को खारिज कर दिया।

न्यायाधिकरण ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी के पास व्यापक अधिकार हैं और वह ऐसे मामलों में आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी उल्लेख किया कि निदेशकों का मौजूदा रुख उनके ही पहले के बयान से मेल नहीं खाता। उन्होंने एनसीएलटी के समक्ष पहले ही स्वीकार किया था कि वाहनों के भंडारण, बरामदगी की स्थिति और उनके स्थान समेत विस्तृत जानकारी लॉग 9 के समाधान पेशेवर को उपलब्ध कराई गई थी। लॉग 9 मोबिलिटी का प्रबंधन 15 सितंबर, 2025 को कंपनी के कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

बड़े व्यापारियों पर ही लग सकता है एमडीआर

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगा। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं। हाल ही में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी यूपीआई पर एमडीआर लगाने की चर्चा को समय से पहले बताया था, उनके मुताबिक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

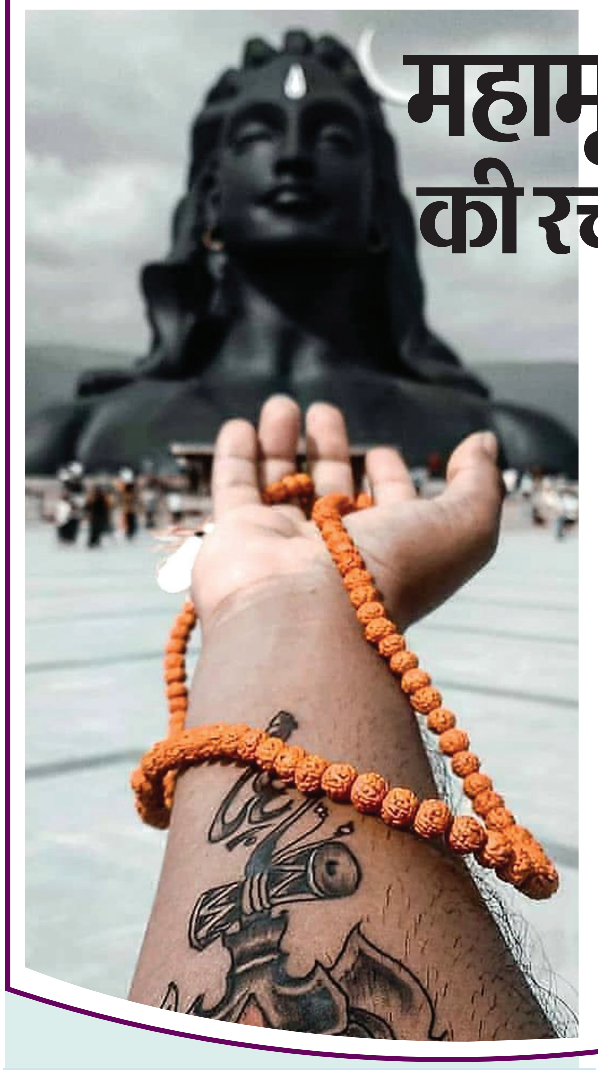

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए.यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीध्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश: गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत: प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

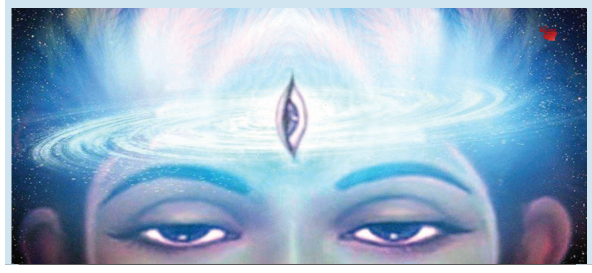

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज्रक है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं।शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

•इमरती •खीर •मावा लड्डू •ड्रायफ्रूट्स •रबड़ी •मालपुए •खोपरापाक •बूंदी के लड्डू •बर्फी •बेसन के व्यंजन •कलाकंद •मैसूर पाक •रसमलाई •पेड़ा •घेवर •सत्तू की मिठाई •हलवा •पेठा •गुलाब जामुन •जलेबी •रसगुल्ला। इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्ल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृशणवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

300 करोड़ के जिला अस्पताल में फिर गिरी सीलिंग:गायनी ओटी की गैलरी में मलबा बिखरा, नोएडा में बाल-बाल बचे मरीज

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में शनिवार को एक बार फिर सीलिंग गिरने की घटना सामने आई है। इस बार तीसरी मंजिल पर गायनी विभाग के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की गैलरी में अचानक सीलिंग का एक हिस्सा नीचे आ गिरा। हादसे के समय गैलरी में कोई मरीज, तीमारदार या कर्मचारी मौजूद नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया। सीलिंग गिरने के बाद गैलरी में मलबा फैल गया। अस्पताल में लगातार मरीजों और कर्मचारियों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सीलिंग का हिस्सा गिरने की घटना ने अस्पताल की सुरक्षा और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि जिला अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों में इससे पहले भी सीलिंग गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। घटना तीसरी मंजिल पर गायनी विभाग के ऑपरेशन थिएटर के पास बनी गैलरी की है। यहां अचानक सीलिंग का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। इसके बाद गैलरी में मलबा बिखर गया। हादसे के समय गैलरी खाली थी। वहां कोई मरीज, तीमारदार या अस्पताल कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसी वजह से किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, अस्पताल में मरीजों और स्टाफ की लगातार आवाजाही को देखते हुए घटना को गंभीर माना जा रहा है।

बारिश के बाद बढ़ी सीलन, पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं इन दिनों बारिश के कारण अस्पताल के कई हिस्सों में सीलन की समस्या बनी हुई है। इसी दौरान सीलिंग फॉल की घटना सामने आने के बाद रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। जिला अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों में पहले भी सीलिंग गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। बार-बार ऐसी घटनाओं के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। 300 करोड़ की लागत से बना अस्पताल, फिर भी बार-बार गिर रही सीलिंग सेक्टर-39 का जिला अस्पताल करीब 300 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इतने बड़े बजट से बने अस्पताल में बार-बार सीलिंग गिरने की घटनाएं निर्माण गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज और तीमारदार पहुंचते हैं। ऐसे में अगर सीलिंग का भारी हिस्सा किसी मरीज या तीमारदार के ऊपर गिर जाता तो गंभीर हादसा हो सकता था। इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और भवन के रखरखाव को लेकर सवाल फिर सामने आ गए हैं।

नोएडा एक्सप्रेसवे का ट्रैफिक घटेगा:यमुना पुश्ता रोड की 7 दिन में शुरू होगी रिसर्फेसिंग, सेक्टर-94 से एडवंट तक सड़क की मरम्मत

एजेंसी

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेसवे के समानांतर बनी यमुना पुश्ता रोड की रिसर्फेसिंग का काम अगले सात दिन में शुरू हो जाएगा। इससे पहले 11 किलोमीटर लंबी चार लेन की सड़क की साफ-सफाई शुरू कर दी गई है। सड़क के गड्ढों से मिट्टी हटाने के साथ सड़क किनारे उगी घास और झाड़ियों की सफाई की जा रही है। प्राधिकरण इसे आगे 10 किलोमीटर और बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। सड़क के विकास का काम दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में मौजूदा सड़क की रिसर्फेसिंग होगी। इसके बाद दूसरे चरण में इसका विस्तार किया जाएगा। पहले चरण में 34 करोड़ रुपए होंगे खर्च रिसर्फेसिंग के काम पर करीब 34 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने सिंचाई विभाग को करीब 11 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। काम की प्रगति के साथ बाकी राशि भी जारी की जाएगी। रिसर्फेसिंग के बाद एक्सप्रेसवे के काफी ट्रैफिक को इस सड़क पर डायवर्ट किया जा सकेगा। इससे नोएडा एक्सप्रेसवे पर वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है। दूसरे चरण में एडवंट से सेक्टर-150 तक बढ़ेगी सड़क दूसरे चरण में यमुना पुश्ता रोड को एडवंट से करीब 10 किलोमीटर आगे सेक्टर-150 तक बढ़ाया जाएगा। इस हिस्से को एक लूप के जरिए यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इस कनेक्टिविटी से नोएडा एक्सप्रेसवे और कालिंदी कुंज की तरफ से आने वाले वे वाहन, जिन्हें यमुना एक्सप्रेसवे की ओर जाना है, सीधे इस मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे नोएडा एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। निर्माण पर 200 करोड़ रुपए खर्च होंगे सड़क के विस्तार और निर्माण पर प्राधिकरण करीब 200 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इसके लिए राशि सिंचाई विभाग को दी जाएगी। निर्माण शुरू होने से पहले सिंचाई विभाग सड़क का डिजाइन तैयार कर प्राधिकरण को देगा।

गैस कनेक्शन काटने का डर दिखाकर बुजुर्ग महिला से ठगी:नोएडा में वीडियो कॉल पर मांगी रसीद, अगले दिन खाते से 9.77 लाख उड़ाए

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में साइबर ठगों ने गैस कनेक्शन काटने का डर दिखाकर एक बुजुर्ग से 9.77 लाख रुपए ठग लिए। ठग ने खुद को आईजीएल गैस कंपनी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल किया और बकाया भुगतान का हवाला देते हुए रसीद मांगी। बुजुर्ग ने जैसे ही भुगतान की रसीद शेयर की, अगले दिन उनके बैंक खाते से अलग-अलग ट्रांजैक्शन कर लाखों रुपए निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-ढ4 स्थित सीनियर सिटीजन होम कॉम्प्लेक्स की है। खुद को गैस कंपनी का अधिकारी बताया पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 12 जनवरी 2026 को दोपहर करीब एक बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को आईजीएल गैस कंपनी का अधिकारी बताते हुए कहा कि गैस बिल का भुगतान नहीं हुआ है, इसलिए उनका गैस कनेक्शन काटा जाएगा। वीडियो कॉल पर मांगी भुगतान की रसीद जब बुजुर्ग ने बकाया होने से इनकार किया तो ठग ने उन्हें वीडियो कॉल पर जोड़ लिया। इस दौरान उसने भुगतान का प्रमाण मांगते हुए गैस बिल की रसीद शेयर करने को कहा। बुजुर्ग ने वीडियो कॉल के दौरान रसीद भेज दी। इसके तुरंत बाद ठग ने कॉल काट दिया। अगले दिन शाम करीब 8 बजे से 8:40 बजे के बीच पीड़ित के मोबाइल पर खाते से रकम निकलने के मैसेज आने लगे। जब तक वह कुछ समझ पाते, साइबर ठग छह से ज्यादा ट्रांजैक्शन के जरिए 9 लाख 77 हजार रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर चुके थे। पीड़ित का कहना है कि इस दौरान किसी भी ट्रांजैक्शन के लिए उनसे अलग से अनुमति नहीं मांगी गई। पुलिस कर रही जांच घटना का पता चलते ही पीड़ित ने बैंक से संपर्क किया और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगों ने किस तरीके से खाते तक पहुंच बनाई और रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई।

पानी में डूबी हाईराइज की पार्किंग, बारिश के बाद बेसमेंट में जलभराव, तीन साल से बनी है समस्या

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में जहां एक ओर निवासियों के लिए बारिश राहत लेकर आई। वहीं दूसरी ओर हाईराइज सोसाइटियों में लोगों के लिए बारिश मुसीबत बनकर सामने आई है। शहर की कई हाईराइज सोसाइटियों में जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने पर फिर से जिम्मेदारों पर सवाल खड़े हो गए हैं। डेल्टा एक मेट्रो स्टेशन के सामने स्थित हेमिस्फेयर सोसायटी के बेसमेंट और पार्किंग क्षेत्र में करीब तीन फीट तक पानी जमा होने से निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि लंबे समय तक भवन के नीचे पानी जमा रहना केवल आवागमन की समस्या नहीं, बल्कि सुरक्षा का भी गंभीर विषय है। सोसायटी निवासी अनिल अग्रवाल ने बताया कि पार्किंग और ग्रीन एरिया में लगातार पानी जमा है। पहले तल पर कार्यालय होने के कारण रोजाना यहां आना-जाना होता है। नीचे जमा पानी देखकर चिंता होती है कि लंबे समय तक नमी और पानी रहने से भवन की नींव और संरचना पर क्या असर पड़ेगा। वहीं एससी राठी ने बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों से बारिश के दौरान सोसायटी के चारों ओर जलभराव की स्थिति बन रही है। दावा है कि पिछले करीब दस दिनों से बेसमेंट में गंदा पानी जमा है। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी के साथ मच्छरों और संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सोसायटी से महज करीब 500 मीटर की दूरी पर प्राधिकरण का कार्यालय होने के बावजूद समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो सका है। लोगों ने ग्रीन बेल्ट के हिस्से में पार्किंग विकसित किए जाने का आरोप लगाते हुए इसकी भी जांच की मांग की है। वहीं ग्रेनो वेस्ट की भी कई सोसाइटियों में बेसमेंट में पानी भर जाने से लोगों को दिक्कत उठानी पड़ रही है

बिना वेंटिलेशन बेसमेंट में कक्षा चलाने पर बाल भारती स्कूल को नोटिस

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-21 स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल मंव कक्षा 8वीं की पढ़ाई बिना खिड़कियों, उचित वेंटिलेशन और आपातकालीन निकास व्यवस्था वाले बेसमेंट में कराने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर ने बताया कि 7 अगस्त को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) का शिकायती पत्र मिला था। इसमें आरोप लगाया गया कि कक्षा 8डी का संचालन बिना खिड़कियों और उचित वेंटिलेशन वाले बेसमेंट में किया जा रहा है। साथ ही, आपातकालीन निकास और अग्निशमन सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी की जा रही है। शिकायत के अनुसार बेसमेंट में पढ़ने वाले बच्चों को भीषण गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल में लगे एयर कंडीशनर खराब रहने के कारण बच्चों को उमस और गर्मी से दिक्कत हो रही है। मामले में नोएडा विकास प्राधिकरण से भी रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने बताया कि स्कूल प्रबंधन से शिकायत में लगाए गए आरोपों के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा गया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर स्कूल की ओर से स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होता है और शिकायत सही पाई जाती है तो प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया अपर जिलाधिकारी की ओर से भी नोएडा प्राधिकरण को पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूल यदि उचित जवाब नहीं देते है तो धारा 10 के तहत स्कूल की जमीन को रद्द कर दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा एक्सपो में छाई शामली की 'पलंग तोड़' मिठाई, स्टॉल पर उमड़ी भारी भीड़

एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित चार दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी एक्सपो (आईएचई) में देशभर के पारंपरिक व्यंजन और खाद्य उत्पाद लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इन्हीं में उत्तर प्रदेश के शामली जिले की प्रसिद्ध "पलंग तोड़" मिठाई इस बार प्रदर्शनी का खास आकर्षण बनी हुई है। अनोखे नाम और लाजवाब स्वाद के कारण यह मिठाई बड़ी संख्या में आने वाले आगंतुकों को अपनी ओर खींच रही है। स्टॉल पर सुबह से शाम तक लोगों की भीड़ देखने को मिल रही हैं। कई लोगों ने मिठाई का स्वाद चखने के साथ इसे अपने परिजनों के लिए भी खरीद रहे हैं। इंडिया इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी एक्सपो में होटल, रेस्तरां, बेकरी, फूड प्रोसेसिंग और पारंपरिक खाद्य उत्पादों से जुड़े सैकड़ों स्टॉल लगाए गए हैं। आधुनिक खाद्य तकनीकों और नए उत्पादों के बीच शामली की "पलंग तोड़" मिठाई ने अपनी पारंपरिक पहचान और स्वाद के दम पर अलग जगह बनाई है। पलंगतोड़" अपनी मिठास और लाजवाब स्वाद से न केवल देश, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी धाक जमा रही हैं। प्रदर्शनी में पहुंच रहे बड़ी संख्या में लोग इस स्टॉल पर पहुंचकर मिठाई का स्वाद ले रहे हैं और इसकी विशेषताओं के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की "एक जनपद एक व्यंजन" योजना में भी इसे शामिल यह पारंपरिक मिठाई शामली की वर्षों पुरानी पहचान रखती है। इसे विशेष विधि से तैयार किया जाता है, जिससे इसका स्वाद बेहद मुलायम और अलग होता है। मिठाई को मुख्य रूप से खोया, शुद्ध देसी घी और शक्कर से बनाया जाता है। कई स्थानों पर इसे चीनी की जगह गुड़ के साथ भी तैयार किया जाता है, जिससे इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाते हैं। एक्सपो में देश-विदेश से आने वाले खरीदार, होटल व्यवसायी और खाद्य उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ स्थानीय उत्पादों में विशेष रुचि दिखा रहे हैं। इससे छोटे कारोबारियों और पारंपरिक मिठाई निमार्ताओं को अपने उत्पाद बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। एक्सपो में पहुंचे आगंतुकों का कहना है कि उन्होंने इस मिठाई का नाम पहली बार सुना, लेकिन स्वाद चखने के बाद वे काफी प्रभावित हुए। कई लोगों ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारंपरिक मिठाइयों में यह एक अलग पहचान रखती है। इसके अनोखे नाम ने पहले उत्सुकता पैदा की और स्वाद ने उन्हें इसे खरीदने के लिए प्रेरित किया। बिना दांत वाले बुजुर्ग भी ले सकते है स्वाद स्टॉल संचालक राकेश गर्ग का कहना है कि "पलंग तोड़" मिठाई की सबसे बड़ी खासियत इसकी मुलायम बनावट है। यही कारण है कि बिना दांत वाले बुजुर्ग भी इसे आसानी से खा सकते हैं। यदि कोई इसे सीधे नहीं खाना चाहता, तो इसे गर्म दूध में मिलाकर भी सेवन किया जा सकता है। दूध के साथ इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है, जिसके चलते बच्चों और बुजुर्गों में भी यह काफी लोकप्रिय है। संचालक का कहना है कि ऐसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से क्षेत्रीय उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों को नई पहचान मिलती है।

संक्षिप्त डायरी

पत्नी की हत्या के बाद फरार आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। एक्सप्रेसवे थाना पुलिस ने पत्नी की गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित को शनिवार को सेक्टर-168 स्थित छपरौली टी-प्वाइंट के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान झारखंड के साहिबगंज निवासी 40 वर्षीय ढेना लोहरा के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि ढेना लोहरा सेक्टर-168 में निम्बस अरिस्टा के लेबर कैंप की झुग्गी में रहता था। उसका 31 जुलाई को पत्नी गीता कुमारी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान हुई मारपीट में चोट लगने से गीता की मौत हो गई थी। मामले में मृतका के परिजनों की ओर से एक अगस्त को एक्सप्रेसवे थाने में शिकायत दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के सेक्टर-168 में होने की जानकारी मिली। इसके आधार पर पुलिस टीम ने छपरौली टी प्वाइंट के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस घटना के दौरान हुए विवाद और पत्नी की मौत की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है।

सेक्टर-79 चौराहे पर दो कारों की टक्कर

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-79 चौराहे पर तेज रफ्तार कार चलाने का मामला सामने आया है। घटना में दो कारों की टक्कर हो गई और एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़िता ने मामले में सेक्टर-113 थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। सेक्टर 128 निवासी आस्था ने बताया कि वह सात अगस्त को सुबह करीब 10 बजे अपनी कार से टेक जोन-4 की ओर जा रहीं थीं। वह सेक्टर-79 के चौराहे पर पहुंचीं तो सामने आ रही कार के चालक ने उसकी कार में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी कार क्षतिग्रस्त हो गई।

हॉस्टल के चालक पर लोहे की रॉड से हमला

एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में निजी हॉस्टल के गाड़ी चालक के साथ लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मूलरूप से कासगंज के रहने वाले अर्जुन चौहान नॉलेज पार्क स्थित एक निजी हॉस्टल में गाड़ी चलाते हैं। वह शुक्रवार को हॉस्टल से गाड़ी लेकर जा रहे थे। इसी बीच एक कॉलेज के सामने चार-पांच लोगों ने उन्हें घेर लिया। गाड़ी को रोककर उनके साथ लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से मारपीट की। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले में पीड़ित की शिकायत पर आरोपी संदीप, दीपचंद, नीरज व कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

यूके टाइगर्स ने 5 विकेट से जीता मैच

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-115 स्थित राइजिंग क्रिकेट क्लब में वीकडे हस्टलर सीजन-1 का लीग मैच खेला गया। शनिवार को हुए मैच में यूके टाइगर्स ने वोट्स को 5 विकेट से हरा दिया। वोट्स ने 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाएं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूके टाइगर्स ने 15.3 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। आदित्य मैन ऑफ द मैच बने।

बच्चों ने अधिकारियों संग चलाया सफाई अभियान -पार्क से 160 किलो कूड़ा हटाया

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-105 स्थित सेंट्रल पार्क में शनिवार को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर महा-सफाई एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान में स्टेप बाय स्टेप स्कूल के छात्रों प्रशस्त कुमार, तिश्या पुरी, शिवनंदिनी धौल, यशवी टंडन और कबीर सिंह दयाल ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि बच्चों ने पार्क के विभिन्न हिस्सों से करीब 160 किलो कूड़ा एकत्र किया। इसके साथ ही पार्क में पौधरोपण भी किया गया।अभियान में दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस अनीश दयाल, भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट सेक्रेटरी (होम) एवं पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक ए.के. अरोड़ा, उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन और डिप्टी डायरेक्टर प्रशांत सिंह ने भी हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बच्चों के साथ श्रमदान कर उनका उत्साह बढ़ाया और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण के हेल्थ इंस्पेक्टर राकेश भाटी और सतीश मिश्रा की टीम ने अभियान में सहयोग किया तथा एकत्र कचरे का निस्तारण कराया। कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए की ओर से किया गया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय, महासचिव राजीव दुबलिश समेत अन्य पदाधिकारी और सेक्टरवासी मौजूद रहे।

नोएडा डिपो से हरिद्वार के लिए अतिरिक्त बसें तीन दिन और चलेंगी

एजेंसी

नोएडा। नोएडा डिपो से सिर्फ तीन दिन और हरिद्वार के लिए अतिरिक्त बसें चलेंगी। इसके बाद पहले की तरह की चार बसें हरिद्वार जाएंगी। नोएडा डिपो के अधिकारियों के अनुसार शिव भक्तों के लिए हरिद्वार तक अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। इन बसों की सुविधा 11 अगस्त तक मिलेगी। इसके बाद पूर्व की तरह सिर्फ चार नियमित बसें ही संचालित की जाएंगी। नोएडा डिपो प्रशासन के अनुसार, बारिश के मौसम के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रहे भूस्खलन और खराब मौसम की वजह से घूमने के लिए पहाड़ों को जाने वाले यात्री नहीं हैं। ऐसे में कोटद्वार और देहरादून की बसों के लिए यात्री मिलने मुश्किल हो रहे हैं। वहीं, हरिद्वार के लिए शिवभक्त अभी भी बसों में रवाना हो रहे हैं। ऐसे में हरिद्वार के लिए अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं।

कांवड़ियों के स्वागत के लिए शिवालय तैयार

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-14ए स्थित श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर में लगाए गए कांवड़ सेवा शिविर में शनिवार को बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने विश्राम किया। शनि सेवा समिति का कहना है कि हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटने वाले कांवड़ियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। सेक्टर-20 स्थित श्री हनुमान मंदिर से आठवीं कांवड़ यात्रा के लिए करीब 500 कांवड़िये हरिद्वार वाना हुए। यात्रा पर जाने से पहले मंदिर समिति की ओर से कांवड़ियों के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई। मंदिर समिति के अनुसार कांवड़िये 10 अगस्त की रात तक वापस नोएडा पहुंचेंगे। इसके बाद 11 अगस्त की सुबह गंगाजल से मंदिर में अभिषेक होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी, बोले- जेन जी हमारे बच्चे हैं

– ये भी कहा– 10 साल में 20 करोड़ बच्चे जेन जेड बने

भुवनेश्वर (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए कॉकरोच पार्टी प्रोटेस्ट के बाद शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। भुवनेश्वर के जीएम विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने इस्तीफे को लेकर पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। प्रधान ने कहा कि जेन जी हमारे बच्चे हैं और कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। संबलपुर से सांसद प्रधान ने कहा कि देश में हर साल करीब दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं और पिछले 10 वर्षों में करीब 20 करोड़ बच्चे इस पीढ़ी का हिस्सा बने हैं। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की अपनी आकांक्षाएं हैं और यही पीढ़ी भारत को विश्व गुरु बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधान ने स्पष्ट किया कि उनके लिए मंत्री पद महत्वपूर्ण नहीं था।

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं को गुमराह करने की कोशिश हुई थी। 20 जुलाई की घटनाओं और बच्चों व देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। प्रधान इस्तीफे के बाद भी कई बार यह आरोप लगा चुके हैं कि छात्रों को गलत जानकारी देकर भ्रमित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आलोचनाओं के बीच प्रधान को अपने गृह राज्य ओडिशा में भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बीजू जनता दल के कार्यकर्ता उनके कई कार्यक्रमों में नारेबाजी और प्रदर्शन कर चुके हैं। रायराखोल में एक कार्यक्रम के दौरान भी प्रधान के खिलाफ नारे लगाए गए। विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान ने कहा कि वह इन नारों से परेशान नहीं हैं। उन्होंने खुद को किसान का बेटा बताते हुए कहा, 'भले ही आप मुझे वापस जाने के लिए कहें, मैं वापस नहीं जाऊंगा, मैं लौटकर आऊंगा। प्रधान ने बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर युवाओं को उनके खिलाफ भड़काने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पटनायक उन्हें ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और बुरा व्यक्ति बताते हैं, लेकिन उन्होंने कभी ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे राज्य के लोगों को शर्मिंदगी उठानी पड़े। प्रधान ने कहा कि वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे ओडिशा की प्रतिष्ठा धूमिल हो। जिस कार्यक्रम में उन्होंने यह बयान दिया, वहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा के उपनेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे।

रिजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर शिअद के बदले रुख का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को लेकर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बदले रुख का स्वागत किया है। रिजिजू ने कहा कि सभी पार्टियों को सीटों के निष्पक्ष और समान सीमांकन के जरिये महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक साथ आना चाहिए। रिजिजू की यह प्रतिक्रिया शनिवार को शिअद की इस मांग के बाद आई कि संसद महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को तुरंत पारित करे, ताकि इन्हें बिना किसी देरी के लागू किया जा सके।

शिअद ने परिसीमन के मुद्दे पर अपना बदला हुआ रुख ऐसे समय में जाहिर किया, जब दिल्ली में शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की पीएम मोदी से हुई मुलाकात के बाद सियासी हलकों में बीजेपी के साथ उसकी सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पेश की गई मिसाल का अनुसरण करते हुए शिरोमणि अकाली दल द्वारा लिए गए इस अहम फैसले का तहेदिल से स्वागत करता हूं। उन्होंने लिखा– हमें सीटों के निष्पक्ष और समान सीमांकन के जरिये महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होना चाहिए, ताकि उन्हें बराबर का प्रतिनिधित्व मिल सके।

एफडीए की बड़ी कार्रवाई : खाने में मिले कॉकरोच, 2.83 करोड़ का माल जब्त

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मुंबई और नवी मुंबई सहित राज्यभर में 4 से 6 अगस्त तक चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत असुरक्षित और अस्वच्छ खाद्य प्रतिष्ठानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पांच फूड आउटलेट्स में खाने में कॉकरोच, मक्खियां और गंभीर गंदगी पाई गई। अभियान के तहत राज्य में कुल 19 एफआईआर दर्ज की गईं और 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एडीए ने 20.29 लाख रुपए का प्रतिबंधित गुटखा व पान मसाला और 2.63 करोड़ रुपए के अन्य खाद्य उत्पाद जब्त किए, जिससे कुल 2.83 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया गया। राज्यभर में 31 ठिकानों पर छापेमारी करते हुए 38 सुधार नोटिस जारी किए गए और सात फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित किए गए। जांच के दौरान, पंजाब ग्रिल और कुर्ला के साउथ इंडिया डोसा कॉर्नर जैसे प्रतिष्ठानों में असुरक्षित भंडारण, अधूरे रिकॉर्ड और खराब सफाई-व्यवस्था जैसी गंभीर अनियमितताएं मिलीं। दादर के ईट नीनो प्राइवेट लिमिटेड में भी गंदगी और कर्मचारियों में स्वच्छता की कमी पाई गई। अधिकारियों को टूटे रैक, जंग लगे उपकरण, शौचालय के पास खाना रखा होना और पेस्ट-कंट्रोल सर्टिफ़िकेट की अनुपस्थिति जैसे गंभीर उल्लंघन भी सामने आए। इन कार्रवाइयों से खाद्य सुरक्षा मानकों को लागू करने की एफडीए की प्रतिबद्धता उजागर हुई है।

अंधविश्वास की आड़ में हैवानियत, तांत्रिक ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अंधविश्वास और झाड़-फूंक के नाम पर एक जघन्य अपराध सामने आया है। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में सवायजपुर थाना क्षेत्र में एक तांत्रिक ने भूत-बाधा दूर करने के बहाने आई नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक रामतीर्थ यादव को हिरासत में ले लिया है और मामले की गहनता से जांच कर रही है। दरअसल, कासगंज का रहने वाला पीड़ित परिवार गाजियाबाद में रहता है, जहां उनकी नाबालिग बेटी को बार-बार चक्कर आते थे। परिजनों ने इसे भूत-बाधा मान लिया और गाजियाबाद के एक परिचित की सलाह पर बेटी का इलाज कराने हरदोई पहुंचे। आरोपी तांत्रिक रामतीर्थ यादव, जैतपुर का निवासी, सवायजपुर के घोड़ीधर गांव स्थित एक ईंट-भट्ठे पर चौकीदारी करता था और वहीं झाड़-फूंक का काम भी करता था। बीती 6 अगस्त की शाम पिता अपनी बेटी को लेकर तांत्रिक के पास पहुँचे। आरोप है कि रात करीब 10 बजे तांत्रिक ने विशेष पूजा-पाठ का झांसा देकर पिता को कमरे से बाहर भेज दिया। अकेला पाकर उसने नाबालिग को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर पीड़िता के चिल्लाने पर पिता भीतर पहुंचे। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है और आरोपी रामतीर्थ यादव से पूछताछ जारी है।

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

नासिक(एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है। नासिक जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र के बांधों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें कोई नुकसान नहीं सामने आया है। जिलाधिकारी ने लोगों से न घबराने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर सतर्क रहने को कहा है। नासिक में इससे पहले 25 से 28 जुलाई और 6 अगस्त को भी भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए थे।

सिरस में हेपेटाइटिस ए का प्रकोप : दूषित पानी पीने से 100 से अधिक बीमार, दो की हालत गंभीर

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा जिले के देसूजोधा गांव में हेपेटाइटिस ए का गंभीर प्रकोप सामने आया है। जहां कथित तौर पर दूषित पेयजल की आपूर्ति के कारण 100 से अधिक लोग बीमारी की चपेट में आ गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, दो युवा लड़कियों, 21 वर्षीय प्रभजोत और 18 वर्षीय प्रीत कौर की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें क्रमशः एम्स बठिंडा और दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लुधियाना में भर्ती किया गया है। जसमीत कौर, हरप्रीत कौर, गोपी और मनप्रीत कौर सहित कई अन्य लोग सिरसा, बठिंडा और लुधियाना के विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। गांव के सरपंच चरनजीत सिंह और अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में बिछाई गई पाइपलाइन में रिसाव के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंचा, इससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही थी, बाद में चिकित्सकीय जांच में हेपेटाइटिस ए की पुष्टि हुई। स्वच्छ पेयजल की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया। स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाकर पिछले पांच दिनों में गांव के 540 लोगों के नमूने लिए हैं। इसमें से 216 लोगों में बीमारी के संदिग्ध लक्षण मिले हैं, जबकि 45 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भर्ती मरीजों में दो बच्चे (पांच वर्ष तक), 26 युवा (18 वर्ष तक) और 17 वयस्क (60 वर्ष तक) शामिल हैं, जिनमें 30 पुरुष और 15 महिलाएं हैं। स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला प्रशासन की एक टीम ने गांव का दौरा किया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और प्रभावित मरीजों के इलाज का खर्च प्रशासन द्वारा वहन करने का आश्वासन दिया है।

आरक्षण में क्रीमि लेयर की बात करना बाबा साहब के उद्देश्यों के खिलाफ

-मायावती ने संघ प्रमुख भागवत के बयान को संकीर्ण, राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित बताया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होना हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी भी चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर आरक्षण का समर्थन किया। आरक्षण में क्रीमि लेयर लाए जाने को लेकर उन्होंने कहा है कि यह बाबासाहब अंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है, साथ ही उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण बेहद संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन समुदायों ने लंबे समय तक जाति के आधार पर भेदभाव झेला है। उन्होंने कहा कि आज भी इन वर्गों के साथ शोषण और अन्याय पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मायावती के मुताबिक ऐसे में आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' की बात करना बाबासाहेब आंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है। उनका कहना है कि किसी की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए बल्कि सभी को ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना चाहिए।

हाल ही में आरक्षण को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि आरक्षण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण सामाजिक कारणों से है। जब तक सामाजिक भेदभाव रहेगा, तब तक आरक्षण जारी रहेगा, जिन लोगों को इसका लाभ मिला है, उन्हें आगे आकर उदारता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण का लाभ लेने वालों को अपनी इच्छा से इसका लाभ छोड़ने पर विचार करना चाहिए। अब मायावती ने संघ प्रमुख के बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ऐसी जातिवादी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को बढ़ावा देती है और संविधान के उद्देश्यों के खिलाफ है।

मायावती ने कहा कि देश में जातिवाद अभी भी मौजूद है और यह जमीनी स्तर पर आज भी फैला हुआ है। उनका कहना है कि आरएसएस इससे अच्छी तरह वाकिफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकारों ने भी इस जमीनी सच्चाई को समझा है। अगर मौजूदा सरकार एससी और एसटी वर्ग को क्रीमी लेयर से बाहर रखने के लिए मजबूत दलील के साथ कोर्ट में अपना पक्ष रखती है, तो यह पूरी तरह उचित और संविधान के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि कई बार सरकारों की कमजोर कानूनी पैरवी के कारण अदालतों में सामाजिक बदलाव से जुड़े मामलों में सही फैसला नहीं हो पाता। मायावती ने आरएसएस से आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की वकालत बंद होनी चाहिए और समाज में बराबरी की व्यवस्था स्थापित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

मानसून सत्र के चार दिन शेष, कांग्रेस अपनी मांगों पर अड़ी

-जयराम बोले- पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री दें बयान और पीएम मोदी राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े आरोपों पर जवाब दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की तय समयावधि के अनुसार इस सत्र के समाप्त होने में अब महज चार कार्यदिवस शेष हैं और विपक्ष ने सरकार पर सदन की कार्यवाही बाधित होने को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर संसद के दोनों सदनों में आकर जवाब देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि गृह मंत्री के सदन में उपस्थित होकर सांसदों के सवालों का सामना नहीं करने के कारण संसद का कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि पिछले करीब 15 दिनों से संसद की कार्यवाही सामान्य रूप से नहीं चल पाई है और इसके लिए उन्होंने गृह मंत्री शाह के पुलिस कार्रवाई पर बयान देने से इनकार को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री को सदन में अपना पक्ष रखना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अमित शाह संसद परिसर में अपने कार्यालय में मौजूद रहते हैं और घंटों बैठते हैं, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में आकर सांसदों के सवालों का सामना करने से बच रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्री की सदन में लगातार अनुपस्थिति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

जयराम रमेश ने गृह मंत्री के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा मानसून सत्र के दौरान दोनों नेताओं की 'कायरता' सामने आ गई है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार को विपक्ष और प्रदर्शन कर रहे छात्रों के सवालों का जवाब देने से बचने के बजाय संसद में चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े 'चढ़ावा चोरी' और 'आस्था के साथ धोखे' के आरोपों पर भी संसद में जवाब देने की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में राम मंदिर ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी। ऐसे में ट्रस्ट को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रधानमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा गठित ट्रस्ट पर देशवासियों की आस्था और भरोसे के साथ विश्वासघात करने के आरोप लग रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने गंभीर आरोपों के बीच प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप नहीं रह सकते। मानसून सत्र के अब केवल चार कार्यदिवस बाकी हैं। ऐसे में विपक्ष की मांगों और सरकार के रुख के बीच संसद की शेष कार्यवाही भी हंगामेदार रहने के आसार हैं।

खाद को लेकर किसानों ने लगाए कृषि मंत्री मुर्दाबाद के नारे, मुस्कुराते रहे मंत्री राणा

-बोले-आराम से नहीं, नारे जरा जोर से लगाओ, फिर दिया किसानों को आश्वासन

यमुनानगर (एजेंसी)। यमुनानगर के साढ़ौरा में रविवार को उस वक्त माहौल गरमाया गया जब कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के सामने ही किसानों ने जमकर नारेबाजी की। मामला खाद वितरण से जुड़ा है। खाद नहीं मिलने से नाराज किसानों ने कृषि मंत्री के सामने ही कृषि मंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। हैरानी की बात ये रही कि किसानों की नारेबाजी पर कृषि मंत्री हंसते हुए नजर आए। मंत्री ने किसानों से कहा कि नारे थोड़े आराम से लगाए हैं, जरा जोर से लगाओ।

हालांकि, इसके बाद कृषि मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके से ही एक उच्च अधिकारी को फोन किया और किसानों की समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। दरअसल, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा साढ़ौरा में वन महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान खाद की समस्या को लेकर परेशान किसानों ने कृषि मंत्री का घेराव करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

किसानों का आरोप था कि साढ़ौरा में खाद का वितरण नहीं हो रहा, जिसके चलते उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री के सामने नारेबाजी का ये वीडियो अब चर्चा का

विषय बना हुआ है। मंत्री श्याम सिंह राणा किसानों की नारेबाजी के दौरान हंसते हुए नजर आए। फिलहाल कृषि मंत्री के आश्वासन के बाद किसानों को समस्या के समाधान की उम्मीद है, लेकिन खाद को लेकर किसानों का गुस्सा साफ तौर पर सामने आ गया है।

तिरंगा यात्रा 140 करोड़ देशवासियों को एक नई दिशा देने वाली है: नड्डा

तिरंगे के सम्मान को हमे हर हाल में बनाये रखना है

जयपुर (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को राजधानी जयपुर में अल्बर्ट हॉल से एक भव्य तिरंगा रैली का शुभारंभ को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान यात्रा रामनिवास बाग चौराहा, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। समापन पर बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस किया।

तिरंगा यात्रा को सम्बोधित करते हुए जेपी नड्डा ने नड्डा ने कहा कि मैं यहां कोई राजनीतिक बात करने नहीं आया हूं, लेकिन एक बेहद जरूरी विषय पर देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हाल ही में राज्यसभा में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (संशोधन) एक्ट, 2026 (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन अधिनियम) पारित किया गया है। इससे पहले 55 साल पहले द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट लाया गया था, जिसमें हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था। उस समय कानून में राष्ट्रगान, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज को तो जोड़ा गया, लेकिन हमारे वंदे मातरम (राष्ट्रगीत) को छोड़ दिया गया। मैं आज पूछना चाहता हूं कि क्या इसे उस समय की भूल माना जाए, या फिर तुष्टीकरण और

वोट बैंक की राजनीति कहा जाए? कारण जो भी रहा हो, लेकिन आज हम गर्व से कह सकते हैं कि साल 2026 में पारित हुए इस नए संशोधन कानून के बाद अब देश में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज... इनमें से किसी का भी अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। यह तिरंगा यात्रा केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमारी गहरी भावनाओं से जुड़ी हुई है। यह यात्रा देश के 140 करोड़ देशवासियों को एक नई दिशा और दृष्टि देने वाली है। उन्होंने गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि हम अभी तक गुलामी की निशानियों के साथ आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब हमने इन्हें बदलने का काम किया है। बड़ी मुश्किल से हम देश को आगे लेकर आए हैं, अब इसके सम्मान को हमें हर हाल में बनाए रखना है।

तिरंगा घरो की छत्तों पर नहीं, हमारे दिलो में भी धड़कना चाहिए-सीएम सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत शुरू हुई यह तिरंगा यात्रा आज देश के जन-जन की यात्रा बन चुकी है। हम सभी जल्द ही देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। जब भी हमारे हाथ में तिरंगा होता है, तो हमारा स्वाभिमान और अधिक बढ़ जाता है। यह हमारे देश का गौरव बढ़ाने का काम करता है। तिरंगा हमारी अनेकता में एकता और विविधता का सबसे बड़ा प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने तिरंगे का राजस्थान से ऐतिहासिक संबंध बताते हुए कहा इस तिरंगे का राजस्थान की वीर धरा से बहुत गहरा नाता है। 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी पर जो तिरंगा पहली बार फहराया गया था, वह राजस्थान के दौसा (जो पहले जयपुर का ही हिस्सा था) से बनकर गया था। जब हम पांचवीं, सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तब गलियों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी निकालते थे और हमारे कंठ से एक ही आवाज निकलती थी- विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा आज फिर से निकाली जा रही यह तिरंगा रैली हमारे युवाओं में राष्ट्रभक्ति के उसी भाव को मजबूत कर रही है। तिरंगा केवल हमारे घरों की छतों पर ही नहीं, बल्कि हमारे दिलों में भी धड़कना चाहिए। हमारे मन में राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र सेवा और विकसित भारत के निर्माण के प्रति कर्तव्य की भावना होनी चाहिए, क्योंकि तिरंगा हमें हमारे गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र चेतना की याद दिलाता है।

यूपी में हर विभाग में घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार, 2027 में बीजेपी का अंत करेगी जनता

-सपा प्रमुख ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- प्रदेश में चल रही बजट की लूट

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश में बजट की लूट चल रही है और हर विभाग में घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार मचा है। उन्होंने बीते शनिवार को एक बयान जारी कर कहा था कि झूठ, लूट और बेईमानी बीजेपी सरकार की पहचान बन चुके हैं। बीजेपी सरकार में एक्सप्रेस-वे समेत अन्य निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और हाल में बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे की स्थिति इसका ताजा उदाहरण है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार और उसके भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है और प्रदेश की जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से बाहर कर भ्रष्टाचारी शासन का अंत करेगी।

जानकारी के मुताबिक अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार में निर्मित अन्य सड़कों का भी यही हाल है। सड़कों के निर्माण में मानकों की अनदेखी और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सबसे महंगा एक्सप्रेस-वे दर्जनों स्थानों पर धंस गया है। सपा अध्यक्ष ने जल जीवन मिशन को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह योजना बीजेपी सरकार में लूट का मिशन बन गई है। यादव ने कहा कि प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई कई पानी की टंकियां या तो टूटकर गिर गईं अथवा पानी भरते ही क्षतिग्रस्त हो गईं।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पानी की टंकियां बीजेपी सरकार के भ्रष्टाचार का भार तक नहीं सह पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश की जनता को विकास के नाम पर केवल धोखा दिया है और हर वर्ग सरकार से निराश है। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर डीएपी और यूरिया खाद नहीं मिल पा रही है और किसान खाद के लिए भटक रहे हैं। अखिलेश यादव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अस्पतालों में गरीबों को समुचित इलाज नहीं मिल रहा है। मेडिकल कॉलेजों के नाम पर जिलों में केवल इमारतें खड़ी हैं, जबकि वहां पर्याप्त संख्या में चिकित्सक, प्रोफेसर और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार पूरी तरह विफल हो गई है और जनता उसकी वास्तविकता जान चुकी है।

जिनपिंग के दौरे से पहले भारत ने चीन को दिए 3 टास्क, एलएसी पर तनाव कम करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में प्रस्तावित भारत दौरे से पहले नई दिल्ली और बीजिंग के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जिनपिंग के शामिल होने की संभावना के बीच दोनों देशों ने सीमा पर तनाव को नियंत्रित रखने पर जोर दिया है। यह दौरा हुआ तो करीब सात साल बाद जिनपिंग की भारत यात्रा होगी। इसी क्रम में भारत और चीन के बीच 6 अगस्त को नई दिल्ली में सीमा मामलों पर वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन यानी डब्ल्यूएमसीसी की 36वीं बैठक हुई। बातचीत में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति, सीमा प्रबंधन, सीमांकन और सीमा पार सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है। भारत ने बातचीत में यह स्पष्ट किया कि सीमा पर शांति बनाए रखना दोनों देशों के व्यापक रिश्तों के लिए अहम है। साथ ही गलतफहमी और गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य संवाद तंत्र को लगातार सक्रिय रखने पर सहमति बनी। इसमें सैन्य स्तर पर स्थानीय कमांडर बैठकें और अन्य स्थापित संवाद माध्यम शामिल हैं।

सीमा विवाद के साथ सीमा पार नदियों का मुद्दा भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पहले मई में हुई डब्ल्यूएमसीसी बैठक में भारत ने सीमा पार नदियों से जुड़े विशेषज्ञ स्तर के तंत्र की अगली बैठक जल्द आयोजित करने पर जोर दिया था। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य स्तर पर नियमित संपर्क जारी रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी। भारत-चीन संबंध 2020 के गलवान संघर्ष के बाद लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे। इसके बाद दोनों पक्षों ने कई चरणों की सैन्य और राजनयिक वार्ता के जरिए सीमा पर तनाव कम करने की कोशिश की। हाल के वर्षों में कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी और संवाद की बहाली से संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। अब जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा को इसी प्रक्रिया की अगली बड़ी परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। भारत की प्राथमिकता साफ है कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनी रहे और किसी भी गलतफहमी को सैन्य टकराव में बदलने से पहले संवाद के जरिए सुलझाया जाए। चीन इस दिशा में कितना सहयोग करता है, इसका असर दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की गति पर पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

अध्ययन: पक्षियों में 8वां सुर...1.16 लाख आवाजों के डाटा से वैज्ञानिकों ने खोला राज

पेरिस, एजेंसी। कोयल की सुरीली आवाज हर किसी का मन मोह लेती है। दुनियाभर में पक्षियों की ऐसी हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं जिनकी आवाज एकदम संगीतमय होती है। आखिर, इनके गीत कैसे बनते हैं? हाल ही में एक नए अध्ययन में पता चला कि संगीत के सात सुरों की तरह पक्षियों के गाने मूलतः आठ प्रकार की ध्वनियों पर केंद्रित होते हैं। वैज्ञानिकों ने यह शोध दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों की 3,000 से अधिक सॉन्गबर्ड यानी पैसिरीन प्रजाति के पक्षियों पर किया जो, कुल पक्षी प्रजातियों का 60% हिस्सा हैं। साइंस मैगजीन में प्रकाशित यह दिलचस्प अध्ययन ने पक्षियों की आवाज से जुड़े और राज भी खोलता है। जैसे कैसे समय के साथ इन सुरों में बदलाव आया। अध्ययन बताता है कि बुनियादी ध्वनियां करोड़ों वर्ष पहले शुरुआती पूर्वजों के समय ही विकसित हो गई थीं और 82% पैसिरीन पक्षियों के वंश के विकसित होने के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहीं। शोध मुख्य रूप से फ्रांस के वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया, जिसमें सेंट-एटिफ यूनिवर्सिटी और मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता शामिल थे। हालांकि, इसके लिए किसी लैब या क्षेत्र में पक्षियों के गाने को रिकॉर्ड नहीं किया है। बल्कि कम्युनिटी साइंस डाटाबेस का इस्तेमाल कर दुनियाभर के 3,160 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के 1,16,000 से ज्यादा गानों का डिजिटल डाटा जुटाया गया व उसका विश्लेषण किया।

सर्बिया पहुंचे जेलेंस्की, पहली आधिकारिक यात्रा में वुसिच से मुलाकात

सर्बिया, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर सर्बिया पहुंचे। सर्बिया उन चुनिंदा यूरोपीय देशों में शामिल है, जिनके रूस के साथ अब भी दोस्ताना संबंध हैं, जबकि रूस ने 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। जेलेंस्की ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर सर्बिया पहुंचने की पुष्टि की। इससे पहले सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच के कार्यालय ने गुरुवार देर रात उनकी यात्रा की घोषणा की थी। जेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार और शनिवार को महत्वपूर्ण बातचीत होनी है। उन्होंने बताया कि वह वुसिच और सर्बिया के प्रधानमंत्री ज्यूरो मैकुट से मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की के मुताबिक, दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को विस्तार देने, यूरोपीय संघ के साथ संबंधों और उन क्षेत्रों पर चर्चा होगी, जहां दोनों देशों के लोगों के हित में व्यावहारिक अवसर तलाशे जा सकते हैं। इसके अलावा सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा होंगे। जेलेंस्की की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वुसिच रूस के साथ सर्बिया के पारंपरिक संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ अपनी विदेश नीति को करीब लाने के दबाव के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। वुसिच ने यूक्रेन के मुद्दे पर रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने इसके लिए दोनों स्लाव देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों का हवाला दिया है।

अमेरिका में भरे गए महीनों से खाली दर्जनों पद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित दर्जनों सरकारी पदों पर नियुक्तियों को स्वीकृति दे दी। इनमें कई महत्वपूर्ण दूतावास और विदेश विभाग के शीर्ष पद शामिल हैं जो विगत कई महीनों से खाली थे। सीनेट ने 74 नामांकनों की सूची को 51 के मुकाबले 47 मतों से मंजूरी दी। राजदूतों, राजनयिकों की नियुक्तियों को लेकर सीनेट में यह मतदान पार्टी लाइनों के साथ हुआ। दरअसल, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन द्वारा नियुक्त दर्जनों कॅरिअर राजनयिकों को वापस बुला लिया था। इससे 100 से अधिक राजदूत पद खाली हो गए थे। पश्चिम एशिया से जुड़ी नियुक्ति, ऑस्ट्रेलिया का भी जिक्र जिन देशों में पद खाली थे या जहां नए लोगों को पदभार सौंपे गए हैं, इस सूची में ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और ब्राजील सहित 11 विदेशी राष्ट्रों के राजदूत शामिल हैं। पांच लोगों को राजदूत-रैंक के पदों के लिए नामित किया गया है। छह सहायक विदेश सचिव भी नामित किए गए हैं। इनमें पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), यूरोप और पश्चिमी गोलार्ध के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं। डेविड ब्रैट ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और माइकल कावुकजियन नॉर्वे के राजदूत के रूप में पुष्टि किए गए हैं। फ्लोरिडा के राजनेता डैनियल पेरेज़ को ब्राजील में राजदूत नियुक्त करने में जटिलता है। ब्राजील सरकार ने वाशिंगटन के साथ राजनयिक विवाद के बीच पेरेज़ को औपचारिक मंजूरी रोक दी है। अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइज़ा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है।

यूटा में जंगल की आग बुझाने में लगा हेलीकॉप्टर क्रैश, दो लोग लापता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पश्चिमी राज्यों के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के दौरान दो बड़े हादसे सामने आए हैं। यूटा के जंगलों में लगी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटा एक भारी-भरकम हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो लोग सवार थे। वहीं, ओरेगन में भड़की अनियंत्रित आग को बुझाने के अभियान के दौरान एक बुलडोजर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, यूटा में क्रैश हुए हेलीकॉप्टर के मलबे तक तत्काल पहुंचना बेहद मुश्किल होने के कारण उसमें सवार दोनों लोगों की स्थिति के बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है।

ओरेगन में बुलडोजर ऑपरेटर की मौत : ओरेगन में आग बुझाने के अभियान के दौरान, गुरुवार को बुलडोजर चला रहे 47 वर्षीय जेसन एनसाइन की मौत हो गई। स्थानीय शेरिफ विभाग ने बताया कि राइट्स स्प्रिंग की आग बहुत तेजी से फैली, जिससे एनसाइन के बचने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। चिलोक्विन शहर के पूर्व में दक्षिण-मध्य ओरेगन में आग बुधवार को भड़की थी। अमेरिकी वन सेवा के अनुसार, शुक्रवार तक यह आग लगभग 36 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और इस पर बिल्कुल भी काबू नहीं पाया जा सका था। अधिकारियों ने बताया कि अत्यधिक

गर्म और शुष्क मौसम के कारण आग ने भयानक रूप ले लिया है।

यूटा में राहत कार्य के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश : दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर उन सात विमानों में से एक था जो मध्य यूटा में 27 जुलाई को बिजली गिरने से लगी आग को बुझाने का काम कर रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि साल्ट लेक सिटी से लगभग 258 किलोमीटर दक्षिण में रिचफील्ड के पास क्रैश हुआ। ग्रेट बेसिन इंसिडेंट मैनेजमेंट टीम के टायलर हेचट ने बताया कि जब हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, तब उड़ान के लिए स्थिति अनुकूल थी। सिकोरस्की एस-64 नामक यह हेलीकॉप्टर खड़ी ढलान वाले इलाके में काम कर रहा था और इसके क्रैश होने से एक और आग लग गई। हेचट ने कहा कि यह ज्ञात नहीं है कि हेलीकॉप्टर क्रैश होने से पहले कितनी देर तक उड़ रहा था। सिकोरस्की एस-64 स्काईक्रेन हेलीकॉप्टरों का उपयोग व्यावसायिक रूप से और सरकारी एजेंसियों द्वारा आग बुझाने और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इन्हें आग पर पानी या अग्निशामक रसायन गिराने के लिए विशेष टैंकों से सुसज्जित किया जा सकता है। शुक्रवार शाम तक आग की लपटों के कारण बचाव दल दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन अधिकारियों को अगले 24 घंटों में वहां पहुंचने की उम्मीद थी। सेवियर काउंटी के शेरिफ नाथन कर्टिस ने कहा कि हम बचाव दल को बड़े जोखिम में नहीं डालना चाहते थे। जैसे ही संभव होगा, हम उन्हें वहां भेजेंगे। दुर्घटना के बाद आग बुझाने का काम कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और ऋ इस मामले की जांच करेंगे, लेकिन अगर आसपास आग लगी हो, तो वे भी तुरंत घटनास्थल तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुंच पाएंगे।

खराब मौसम की चेतावनी : शुक्रवार सुबह दमकल कर्मियों को चेतावनी दी गई थी कि अप्रत्याशित हवाएं, सूखा ईंधन और उच्च तापमान के साथ-साथ बिना बारिश वाले तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। इलाके में रेड फ्लैग चेतावनी लागू कर दी गई थी। यूटा के कानोश समुदाय के पास फिशलेक नेशनल फॉरेस्ट में लगी आग शुक्रवार सुबह तक 427 वर्ग किलोमीटर में फैल चुकी थी और केवल 19 प्रतिशत ही नियंत्रित हो पाई थी। 600 से अधिक अग्निशमन कर्मी इस आग से जूझ रहे हैं। आग के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और लकड़ी, झाड़ियों और घास में लगी इस आग ने कम से कम छह इमारतों को नष्ट कर दिया है। महीनों से जारी शुष्क मौसम, कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी की रिकॉर्ड कमी, भीषण गर्मी और तेज हवाओं ने यूटा और पश्चिम के अन्य हिस्सों में आग को भड़काने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में कोलोराडो में तेजी से फैलती जंगल की आग की चपेट में आने से चार दमकल कर्मियों की मौत हो गई थी और पांचवां घायल हो गया था। दमकल कर्मियों ने तंबू जैसे आपातकालीन शेल्टर लगाकर खुद को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन आग की लपटें उनके ऊपर से गुजर गईं।

पहली बार एआई ने खुद से डिजाइन किया वायरस, बैक्टीरिया खत्म किया; वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस के रिसर्चर्स ने एक ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके बिल्कुल नए वायरल डिजाइन किए हैं, जो लैब में अपनी कॉपी भी बना सकते हैं। यह पहली बार हुआ है जब जेनरेटिव एआई से पूरे जीनोम को सफलतापूर्वक डिजाइन किया गया है। एआई को वायरस, बैक्टीरिया, पौधों और इंसानों के जेनेटिक कोड पर ट्रेन किया गया। फिर इसे बैक्टीरियोफेज बनाने के लिए रिफाइन किया गया। ये ऐसे वायरस होते हैं जो सिर्फ खास बैक्टीरिया को इन्फेक्ट करते हैं, इंसानों को नहीं। स्टैनफोर्ड टीम ने एआई के 302 सबसे अच्छे डिजाइन चुने और उन्हें लैब में बनाया। इनमें से 16 फेज श्व. कोलाई बैक्टीरिया को मारने में सफल रहे। स्टूडेंट सैमुअल किंग ने बताया, जब पेट्री डिश पर साफ स्पॉट दिखे तो समझ गया कि फेज काम कर रहे हैं। ये बहुत रोमांचक था। रिजल्ट सुनकर लैब में तालियां बजने लगीं। एक्सपर्ट्स इसे साइंस में बहुत बड़ा टर्निंग पाइंट कह रहे हैं। प्रो.ब्रायन ही के मुताबिक, इससे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट इन्फेक्शन के इलाज के नए तरीके मिल सकते हैं। साथ ही नई दवाएं, थेरेपी और जेनेटिक बीमारियों का इलाज भी संभव हो सकता है।स्पेन के प्रोफेसर मार्क गुएल ने कहा कि इतिहास में पहली बार हम कंप्यूटर पर बायलॉजी डिजाइन कर रहे हैं। इसके साथ बायोसेफ्टी और बायोसिक्योरिटी का खतरा भी बढ़ गया है। जॉन्स हॉपकिन्स के डॉ. थॉमस इंगल्सबी और डॉ. मोरिट्ज हैंके ने लिखा कि अब सवाल ये नहीं है कि एआई वायरस बना सकता है या नहीं, सवाल ये है कि क्या इसका इस्तेमाल गंभीर नुकसान के बिना हो सकता है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि बीमारी पैदा करने वाले वायरस को डिजाइन करने की कोशिश बिल्कुल नहीं होनी चाहिए रिसर्चर्स ने पहले ही सावधानी बरती।

पीओके में हिंसा: यूएन ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा,महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा। वह पाक में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए पीटीआई के सवाल का जवाब दे रहे थे। पिछले महीने यूएन के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी। यूएन की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

कैलिफोर्निया में कंटेंट क्रिएटर्स पर बढ़ी सख्ती? पैसे लेकर सियासी पोस्ट करने पर लग सकता है जुर्माना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया में गवर्नर पद के लिए प्राथमिक चुनाव के लिए मतदान खत्म होने में कुछ हफ्ते बाकी हैं। इसी बीच, लॉस एंजिलिस के रहने वाले सोशल मीडिया क्रिएटर शाका स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। उनके सात लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने बताया कि वह किसे वोट देंगे और क्यों। शाका स्मिथ ने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च इतना नहीं होना चाहिए कि आपका दिवाला निकल जाए। घर खरीदना इतना मुश्किल नहीं होना चाहिए। प्रदूषण फैलाने वालों का खर्च हमें नहीं उठाना चाहिए और कलाकारों की जगह एआई को नहीं लेना चाहिए। इसलिए मैं गवर्नर पद के लिए टॉम स्टेयर का समर्थन कर रहा हूं। लेकिन स्मिथ ने वीडियो की शुरुआत एक अस्वीकारीकरण (डिस्क्लेमर) से की। उन्होंने कहा,

यह एक विज्ञापन है और सच कहूं तो मेरी इच्छा है कि ज्यादा राजनीतिक कंटेंट में यह बात शुरुआत में ही कही जाए। उनके पोस्ट के कैप्शन में यह भी साफ लिखा था कि उन्हें स्टेयर के चुनाव अभियान ने पैसे दिए थे।

जानकारी न देने पर लग सकता है जुर्माना : कैलिफोर्निया और टेक्सस उन दो राज्यों में शामिल हैं, जहां ऐसे नियम हैं जिनके तहत कंटेंट क्रिएटर्स को बताना जरूरी है कि उन्हें किसी राजनीतिक अभियान ने पोस्ट करने के लिए पैसे दिए हैं। अब कैलिफोर्निया ऐसे मामलों में और सख्ती करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत पैसे मिलने की जानकारी नहीं देने वाले क्रिएटर्स पर जुर्माना लगाया जा सकता है। चुनावी अभियान लंबे समय से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मशहूर हस्तियों और बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ काम करते रहे हैं। लेकिन अब वे छोटे क्रिएटर्स के साथ भी अपने साथ जोड़ रहे हैं।

मध्यावधि और राष्ट्रपति चुनावों में होगी कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका : इससे इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि राजनीतिक विज्ञापनों से जुड़े खुलासे के नियम कंटेंट क्रिएटर्स पर भी लागू होने चाहिए या नहीं। माना जा रहा है कि आने वाले मध्यावधि चुनावों और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में इन क्रिएटर्स की बड़ी भूमिका हो सकती है। डेमोक्रेटिक रणनीतिकार माइक नेलिस ने कहा, अगर आप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और अभी इन लोगों का समर्थन हासिल करने या अपने लिए ऐसे लोगों को तैयार करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, जो आपकी ओर से बात कर सकें, तो आप पहले ही पीछे हैं। नेलिस ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए काम किया था। चुनावी अभियान अपना संदेश फैलाने के लिए क्रिएटर्स की मदद ले रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर्स से जुड़ी पारदर्शिता को लेकर सवाल ऐसे कई चर्चित मामलों के बाद बढ़े हैं, जिनमें इन्फ्लुएंसर्स ने लोगों की राय या वोट बदलने के उद्देश्य से कंटेंट बनाया, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें इसके लिए पैसे दिए गए थे।

बातचीत जारी रहेगी, लेकिन आत्मसमर्पण नहीं करेंगे

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि उनका देश अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। पेजेशकियन ने ये बातें शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक साक्षात्कार में कहीं। यह साक्षात्कार उनके कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने और युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया। पेजेशकियन ने कहा, जब तक अमेरिका समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक ईरान भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जहां भी वे (अमेरिकी

पक्ष) अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में विफल रहते हैं, वहां हमारी आगे अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोई जिम्मेदारी नहीं है। इस सप्ताह की शुरुआत में पेजेशकियन ने उन अटकलों को खारिज किया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह पूरी मजबूती के साथ अपना काम जारी रखेंगे। उनके ये बयान ईरान के नेतृत्व में समझौते को लेकर कथित मतभेद की खबरों के बीच आए। जून में ईरान और अमेरिका ने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों को अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी।

होर्मुज के पास दो धमाकों की आवाजें सुनाई दीं : इस बीच, गुरुवार रात ईरान के दक्षिण में स्थित होर्मोजगान प्रांत के केश्म द्वीप पर दो धमाकों की आवाज सुनी गई। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ये धमाके होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश क्षेत्र में ईरानी सशस्त्र बलों और दुश्मन के बीच हुई कार्रवाई के कारण हुए। तस्नीम ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज रात करीब 9:40 बजे (स्थानीय समय के अनुसार) सुनी गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि ईरानी नौसेना की इस कार्रवाई में क्या उपलब्धियां हासिल हुईं, इसकी जानकारी आने वाले घंटों में दी जाएगी। उधर, ईरान समर्थक इराकी लड़ाकों के संगठन इस्लामी रेजिस्टेंस ने कहा कि उसने अमेरिका और सऊदी अरब की सेनाओं के खिलाफ की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया है। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह फैसला शिया राजनेताओं की अपील के बाद लिया गया है। इस संगठन ने 29 जुलाई को अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त हवाई कार्रवाई को लेकर इराक सरकार से कूटनीतिक या सुरक्षा के स्तर पर कड़ा कदम उठाने की मांग की थी। इस हवाई कार्रवाई में इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह मुख्य रूप से शिया लड़ाकों का गठबंधन है। हमलों में 20 लोगों की मौत हुई थी।

एच-1बी और ग्रीन कार्ड पर बढ़ेगी सख्ती, भारतीय प्रोफेशनल्स की बढ़ेंगी मुश्किलें?

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर एरिक शिमट ने अमेरिकी श्रम विभाग से पीईआरएम प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था का दुरुपयोग कर कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह विदेशी श्रमिकों को मौका देती हैं। प्रस्ताव में अमेरिकी आवेदकों के रिकॉर्ड रखने, रिजेक्शन का कारण दर्ज करने, योग्य बेरोजगार अमेरिकियों को नौकरी की जानकारी देने और उनका इंटरव्यू लेने जैसे कड़े प्रावधान सुझाए गए हैं। चूंकि वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं, इसलिए प्रस्तावित बदलावों का असर भारतीय टेक प्रोफेशनल्स पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल यह केवल बदलाव का प्रस्ताव है और इसका वास्तविक असर श्रम विभाग के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगा। सीनेटर एरिक शिमट ने कार्यवाहक श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग को पत्र लिखकर पीईआरएम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की मांग की है। नियोक्ता आमतौर पर पीईआरएम का इस्तेमाल किसी विदेशी कर्मचारी को अमेरिका में स्थायी नौकरी दिलाने और उसके लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया शुरू करने के पहले चरण के तौर पर करते हैं।

क्या कंपनियां सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख रही : एरिक शिमट ने लिखा,पीईआरएम और एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग से कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को रख लेती हैं। विभाग को इस दुरुपयोग को रोकना चाहिए और नियमों के असली मकसद को बहाल करना चाहिए। क्या भारतीयों को लेकर सीधे कोई बदलाव प्रस्तावित है? उन्होंने पत्र में भारत का नाम नहीं लिया और न ही एच-1बी या ग्रीन कार्ड के नियमों में सीधे बदलाव का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने सिर्फ श्रम विभाग से नियमों को दोबारा लिखने और ऑडिट, संदिग्ध धोखाधड़ी तथा पीईआरएम आवेदकों के ओपीटी और एच-1बी वीजा के पिछले इस्तेमाल से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने को कहा है।

भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका असर क्यों पड़ सकता है : अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में स्वीकृत सभी एच-1बी याचिकाओं में 70 प्रतिशत भारतीयों की थीं। कई भारतीय छात्र स्टूडेंट वीजा और ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के जरिए एच-1बी नौकरी तक पहुंचते हैं और इसके बाद नियोक्ता द्वारा प्रायोजित स्थायी निवास के लिए आवेदन करते हैं।

क्या ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया जटिल होगी : विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भर्ती से जुड़े दस्तावेजों की जांच सख्त की गई तो नियोक्ताओं पर अनुपालन का बोझ बढ़ेगा और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी जांच कड़ी हो सकती है। पहले से ही जटिल मानी जाने वाली स्पॉन्सरशिप प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। हालांकि, अंतिम असर इस बात पर निर्भर करेगा कि श्रम विभाग एरिक शिमट के प्रस्तावों को किस हद तक अपनाता है। एरिक शिमट ने कहा कि पीईआरएम के नियम 20 साल से ज्यादा समय से नहीं बदले हैं। गैर-पेशेवर पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में आमतौर पर दो अखबारों में विज्ञापन देना और राज्य रोजगार एजेंसी में पंजीकरण कराना जरूरी है। वहीं, पेशेवर पदों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन देना अनिवार्य नहीं है।

अंधेरे में छिपी सिर्फ एक आवाज... आखिर कहां गायब हैं ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जो 1989 से ईरान का नेतृत्व कर रहे थे। जिसके बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई सालों तक पर्दे के पीछे काम करने के बाद इस्लामिक रिपब्लिक के सबसे शक्तिशाली पद पर आसीन हुए थे। लेकिन उस हमले में खुद भी घायल हुए मोजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद से अब तक दर्जन से अधिक लिखित संदेश जारी किए हैं, लेकिन अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। पिछले महीने मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी दी कि यदि वह इस्लामिक रिपब्लिक पर हमले जारी रखता है तो उसे कभी न भूलने वाला सबक सिखाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को बेकार और अमान्य करार दिया। यह बयान ईरानी सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया। यह बयान ऐसे समय में आया जब इसके कुछ घंटे पहले ही तेहरान ने एक महीने पहले हुए एक अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित करने की घोषणा की थी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और बुनियादी ढांचों पर लगातार हमले हो रहे थे। मोजतबा ने कहा कि अब जब अमेरिकी दुश्मन संघर्ष को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और इसके जरिए उसे और भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी तथा और अधिक अपमान सहना होगा, तो उसे यह जान लेना चाहिए कि ईरान के महान राष्ट्र और रेजिस्टेंस फ्रंट ने उसके लिए ऐसा सबक तैयार रखा है जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा।

जब से संघर्ष फिर से बढ़ा है, तब से यह बयान खामेनेई का पहला सार्वजनिक संदेश था। इस बीच युद्ध को समाप्त करने के राजनयिक प्रयासों पर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। उनके लिखित संदेशों और सोशल मीडिया चैनलों पर सक्रियता के बावजूद, इस बात की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है कि 28 फरवरी के हमले के बाद मोजतबा खामेनेई जीवित भी हैं या नहीं। उस हमले में उनकी पत्नी जहरा हद्दाद आदेल और खामेनेई परिवार के

अन्य सदस्य भी मारे गए थे।

हालांकि, कई ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वह हमले में घायल हो गए थे। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि वह शायद ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं या सुरक्षा कारणों से एहतियात बरत रहे हैं और इसलिए सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं।

ईरान के राष्ट्रपति का दावा : ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को कथित तौर पर तेहरान में एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के रूप में पेश किया गया। इस गुप्त मुलाकात ने ईरान के नए नेतृत्व के आसपास बनी गोपनीयता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पेजेशकियन को काले और गहरे शीशे वाले वाहन की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई के रूप में पहचाना गया व्यक्ति पहले से बैठा हुआ था। खिड़कियों के शीशे काले रखे गए थे, सुरक्षाकर्मियों ने दोनों लोगों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के माध्यम से संवाद कर सकते थे। बाद में पेजेशकियन को इस बात पर संदेह हुआ कि क्या जो आवाज उन्होंने सुनी, वह वास्तव में नए सुप्रीम लीडर की ही थी। यह मुलाकात केवल कुछ ही मिनटों तक चली, हालांकि बाद में पेजेशकियन ने व्यापार संघ के प्रतिनिधियों को बताया था कि उन्होंने सौहार्दपूर्ण माहौल में खामेनेई के साथ ढाई घंटे बिताए। रिपोर्ट के अनुसार, पेजेशकियन ने बार-बार सुप्रीम लीडर से मिलने का अनुरोध किया था और इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी। उनके कार्यालय ने आखिरकार मुलाकात के लिए सहमति दे दी, लेकिन पिछली परंपराओं को तोड़ते हुए उन्हें आधिकारिक आवास पर नहीं बुलाया गया, बल्कि उन्हें एक अज्ञात स्थान पर निर्देशित किया गया।

खामेनेई के स्वास्थ्य पर उठ रहे सवाल : इजरायली मीडिया के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनके स्वास्थ्य की इस कथित स्थिति की कोई स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के अंदर मौजूद सूत्रों का हवाला देते हुए चैनल 14 (ष्ट14) और इससे पहले यरूशलेम पोस्ट ने कहा कि ईरानी शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच ऐसी अफवाहें फैल रही हैं कि खामेनेई की हालत बेहद गंभीर है, जिसमें ईरानवायर और पेजेशकियन प्रशासन के करीबी सूत्रों का हवाला दिया गया था। यरूशलेम पोस्ट के एक सूत्र ने कहा कि अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनाई दे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अयोध्या में महिलाएं तैयार कर रहीं 2.50 लाख तिरंगे

-हर घर तिरंगा अभियान के लिए 86 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं जुटीं

एजेंसी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे आत्मनिर्भर समूह अभियान को प्रदेश भर में जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में अयोध्या जनपद में भी महिला स्वयं सहायता समूहों ने राष्ट्रभक्ति का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तिरंगा निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया है। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत अयोध्या में 2.50 लाख तिरंगे झंडे बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे पूरा करने में महिला समूह पूरी तरह जुटे हुए हैं।

जनपद अयोध्या के 11 विकास खंडों में कुल 772 ग्राम पंचायतें हैं। इन पंचायतों में तिरंगा पहुंचाने की तैयारी जोरों पर है। इस कार्य में 86 स्वयं सहायता समूह सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, जिनमें कुल 309 समूह सदस्य राष्ट्रभक्ति की इस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। महिलाओं की मेहनत और लगन से अयोध्या में अब तक 73,390 राष्ट्रीय ध्वज बनकर तैयार हो चुके हैं। शेष झंडों का निर्माण कार्य भी निरंतर जारी है। यह अभियान न केवल राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का भी माध्यम बन रहा है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं घर बैठे ही राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण कर आय अर्जित कर रही हैं और साथ ही हर घर में तिरंगा पहुंचाने का संकल्प भी पूरा कर रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर भारत और हर घर तिरंगा के दोहरे लक्ष्य को अयोध्या की महिलाएं अपने परिश्रम से साकार करने में जुटी हुई हैं। तारुन विकास खंड में सबसे अधिक 97 ग्राम पंचायतें हैं और यहां 31,331 झंडे बनाने का लक्ष्य रखा गया है। रूदौली में 89 पंचायतें हैं और लक्ष्य 28,991 झंडों का है।मयाबाजार में 83 पंचायतों के लिए 26,809 झंडे निर्धारित हैं। मिल्कीपुर में 77 पंचायतें और 25,071 झंडे, बीकापुर में 75 पंचायतें तथा 24,325 झंडे का लक्ष्य है। अमानीगंज में 73 पंचायतों के लिए 23,579 झंडे बनाने हैं। इसी तरह हैरिटनगंज में 60 पंचायतें और 19,480 झंडे, मसौधा में 57 पंचायतें तथा 18,411 झंडे, सोहावल में 56 पंचायतें और 18,088 झंडे, पूराबाजार में 54 पंचायतें तथा 17,442 झंडे, जबकि मवई में 51 पंचायतों के लिए 16,473 झंडे बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सबसे अधिक समूह सदस्यों की संख्या अमानीगंज (41) और मसौधा (42) में है, जो निर्माण कार्य में सक्रिय रूप से जुटे हैं। जिला मिशन प्रबंधक सरिता वर्मा ने कहा कि अयोध्या की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज अपने हुनर और मेहनत से न केवल परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की भावना को भी नई ऊंचाई दे रही हैं। तिरंगा निर्माण से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भरता के साथ देशसेवा का संदेश दे रही हैं। उनके हाथों से तैयार हो रहा प्रत्येक तिरंगा उनके परिश्रम, स्वाभिमान और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह अभियान महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनमें नेतृत्व और आत्मविश्वास की भावना को भी मजबूत कर रहा है।उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय टीम द्वारा गांवों में पहुंचकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के तिरंगा निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया गया। मिशन प्रबंधक राज बहादुर एवं मिशन एग्जिक्यूटिव अवनीश पाण्डेय ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे झंडों का अवलोकन किया तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप तिरंगा तैयार करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। टीम ने महिलाओं के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें गुणवत्ता के साथ अधिक से अधिक तिरंगे तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उप आयुक्त स्वतः रोजगार सरिता गुप्ता ने बताया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और निर्धारित मानकों के अनुरूप ही झंडे तैयार किए जा रहे हैं। शेष लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने के लिए समूहों को अतिरिक्त सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अयोध्या की धरती से लहराते ये तिरंगे न केवल देशभक्ति का संदेश देंगे, बल्कि महिलाओं की सामूहिक शक्ति का भी प्रमाण बनेंगे।

संक्षिप्त डायरी

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर 150 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली यात्रा

एजेंसी

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को मेडिकल चौराहे से सुभाष चौराहे तक 150 मीटर लंबे तिरंगे के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। राष्ट्रगान एवं भारत माता की जय के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं युवा सम्मिलित हुए। तिरंगा यात्रा के माध्यम से अभाविप ने युवाओं को राष्ट्र प्रथम की भावना से जोड़ने, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने तथा विद्यार्थी शक्ति को राष्ट्र निर्माण की सकारात्मक शक्ति के रूप में विकसित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अभाविप काशी प्रांत के प्रांत मंत्री शिवम सिंह की विशेष उपस्थिति रही। अभाविप काशी प्रांत के प्रांत मंत्री शिवम सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक राष्ट्रीय गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। प्रयाग महानगर के महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा ने कहा कि प्रयागराज में निकली यह भव्य तिरंगा यात्रा युवाओं की राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है। तिरंगा हमारे लिए केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। अभाविप विद्यार्थियों को राष्ट्रशक्ति मानते हुए उनमें राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को निरंतर मजबूत कर रही है। इस अवसर पर अभाविप, काशी प्रांत के पूर्व प्रांत मंत्री अतेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सह संयोजक शोध कार्य हिमांशु पाण्डेय, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आंचल सिंह, महानगर अध्यक्ष डॉ. मनीष श्रीवास्तव, विभाग संयोजक प्रशांत सिंह, कौतुक, अभिनव पाण्डेय, समृद्धि प्रिया पाठक, अमन, शांतनु सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, युवा एवं अभाविप कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्रांतिकारियों की गौरव गाथा है हर घर तिरंगा अभियान- राजेश केसरवानी

एजेंसी

प्रयागराज। अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप द्वारा अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर काकोरी एक्शन के क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि देते हुए हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया गया। इस अवसर श्रद्धांजलि ग्रुप के अध्यक्ष राजेश केसरवानी ने काकोरी एक्शन की क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि महान क्रांतिकारियों के बलिदान के कारण ही हम आज आजादी की सांस ले रहे हैं हमें उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए। हर घर तिरंगा अभियान अमर क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की गौरव गाथा बताती है इसलिए हर भारतवासियों का फर्ज है कि हर घर तिरंगा अभियान से जुड़कर अपने घरों में स्वेच्छा से तिरंगा लगाएं। इस अवसर पूर्व पार्षद विजय वैश्य, व्यापारी नेता दिनेश सिंह, संतोष अग्रहरि, विवेक अग्रवाल, सुनील केसरवानी, अशोक गुप्ता ने काकोरी एक्शन के स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम का संयोजन शत्रुघ्न जायसवाल और संचालन अजय अग्रहरि ने किया। श्रद्धांजलि देने वालों में किशन चंद्र जायसवाल, आशीष गुप्ता अज्जू, कमलेश केसरवानी, सुमित केसरवानी, लल्लू अग्रहरि एवं श्रद्धांजलि ग्रुप के कार्यकर्ता रहे।

बफार्नी स्वरूप में भगवान भोलेनाथ ने दिया भक्तों को दर्शन

एजेंसी

प्रयागराज। हनुमान मंदिर हटिया पुलिस बूथ मुट्ठीगंज चौराहे पर मुन्ना केसरवानी के संयोजन में बाबा भोलेनाथ का बफार्नी स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इस अवसर भगवान भोलेनाथ का पूर्ण विधि विधान के साथ महा रुद्राभिषेक एवं भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया और भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का बफार्नी स्वरूप का दर्शन प्राप्त किया। स्थानीय नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आयोजक मुन्ना केसरवानी, पप्पू केसरवानी, गंगेश शर्मा, राजेश केसरवानी संतोष अग्रहरि आदि रहे।

प्रयागराज में 18,706 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण

एजेंसी

प्रयागराज। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं किशोरियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग, प्रयागराज एवं रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3120 के संयुक्त तत्वावधान में एचपीवी जागरूकता एवं टीकाकरण अभियान को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, डॉ. अंकिता राज, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. पूनम गुलाटी, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. सतपाल गुलाटी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. तिवारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, रोटेरियन श्री पंकज जैन, रोटेरियन शशांक जैन, डॉ. अमित, डॉ. प्रीति, विष्णु एवं डॉ. फिरोज खान सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से 14झ्र15 वर्ष आयु वर्ग की सभी पात्र बालिकाओं का समय पर एचपीवी टीकाकरण कराने की अपील की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि 06 अगस्त 2026 तक प्रयागराज में 18,706 पात्र बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण किया जा चुका है। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. पूनम गुलाटी ने कहा कि जिस प्रकार रोटरी ने पोलियो उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसी प्रतिबद्धता के साथ एचपीवी टीकाकरण अभियान में भी स्वास्थ्य विभाग को निरंतर सहयोग प्रदान किया जाएगा।

वंचित बहुजन समुदाय की सशक्त आवाज हैं- आईपी रामबृज

एजेंसी

प्रयागराज। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के संस्थापक आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नगीना से सांसद एडवोकेट भाई चंद्रशेखर आजाद के विचारों संघर्ष और सामाजिक न्याय की लड़ाई से प्रेरित होकर 01 जनवरी 2026 को बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल सेक्टर प्रभारी और जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रंगकर्मी रंगनिर्देशक समाजसेवी आईपी रामबृज ने दिल्ली स्थित नॉर्थ एवेन्यू (सरकारी आवास) पर भाई चंद्रशेखर आजाद के सानिध्य में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की सदस्यता ग्रहण की। आईपी रामबृज रंगकर्मी रंगनिर्देशक से सामाजिक एवं राजनीतिक यात्रा उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज राजनैतिक से पहले रंगकर्मी और रंगनिर्देशक के साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो विशेष रूप से बहुजन समाज के अनुसूचित जाति के हाशिए पर रहने वाले समुदाय के गरीबों मजलूमों के उत्थान के लिए सतत समर्पित रहे हैं। सिविल कोर्ट के उपरान्त उच्च न्यायालय इलाहाबाद में मिनिमम आर्थिक सहयोग से बतौर एडवोकेट के रूप में उन्होंने कानूनी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है वही राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में उनका योगदान पिछले 2007 यानी बीस वर्षों से निरंतर रहा है।

आईपी रामबृज का सामाजिक यात्रा 2007 से रहा और राजनैतिक यात्रा 2021 में बीएसपी से शुरू किया। बीएसपी में बतौर कैडर पूरे प्रयागराज में एक अलग पहचान बनी जिससे सजातीय के साथ अन्य वर्ग के मुख्य मण्डल प्रभारियों ने आईपी रामबृज से दूरी बनानी शुरू कर दी। आईपी रामबृज भूमिहीन खेतिहर मजदूरों का बतौर प्रतिनिधित्व, सामाजिक न्याय और आर्थिक उत्थान के लिए सतत संघर्ष करते हुए अबतक यमुनापार में डेढ़ सौ बीघा ग्रामसमाज की जमीने भूमाफियाओं से मुक्त करवाकर भूमिहीनों में आवंटित करवाकर एक विधायक और सांसद से आगे बढ़कर अपना नाम रिकार्ड कायम किया है।

आईपी रामबृज ने यमुनापार की 264 बारा (सुरक्षित) विधानसभा में संविधान पदयात्रा और गणतंत्र पदयात्रा निकालकर संविधान के प्रति आम लोगो को जागरूक करने का किया है।

गरीब बच्चों के लिए शिक्षा सम्पन्नता का द्वार खोलती है: नवीन पाठक चाइल्ड फ्रेण्डली स्कूल के विद्यार्थियों को बाटे गए निःशुल्क यूनिफार्म एवं स्कूल बैग

एजेंसी

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के वंचित और अवसरों से दूर वर्ग के लिए सम्पन्नता एवं सम्मान के द्वार खोलने का सबसे सशक्त माध्यम है। गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह विचार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने ग्राम छन्दवल में स्वयंसेवी संस्था बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क संचालित चाइल्ड फ्रेण्डली स्कूल के विद्यार्थियों को यूनिफार्म एवं स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम में व्यक्त किए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जब कोई बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में उन्नति करता है तो उससे सबसे अधिक आत्मसंतुष्टि उस शिक्षक को होती है, जिसने उसे पढ़ाया और आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में शिक्षा की रोशनी को उन घरों तक पहुंचाते हैं, जहां संसाधनों का अभाव है। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन एवं प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां किसी बच्चे की प्रतिभा को रोक नहीं सकतीं, यदि उसे सही मार्गदर्शन और अवसर मिल जाए। संस्था के अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए चाइल्ड फ्रेण्डली स्कूल की स्थापना के पीछे के उद्देश्य, प्रयासों और संघर्षों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्था का संकल्प है कि आर्थिक अभाव किसी बच्चे की शिक्षा के मार्ग में बाधा न बने और प्रत्येक बच्चे को सीखने, आगे बढ़ने तथा अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले। समाजसेवी देवेश गुप्ता ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन के साथ पढ़ाई करने और अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के 100 बच्चों को निःशुल्क यूनिफार्म एवं स्कूल बैग वितरित किए गए। यूनिफार्म और स्कूल बैग प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। स्कूल परिसर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने पौध रोपण किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं प्रिया मौर्या, सरिता यादव, इलावती, शिक्षक सुनील कुमार, आर.एन. रावत, पलक कनौजिया, अर्चना, छाया देवी, जियालाल एवं सरोज सहित करीब एक सैकड़ा बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर में नैमिष गुप्ता का गोलकीपर के रूप में चयन

एजेंसी

बाराबंकी। जिले की हॉकी प्रतिभा ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया है। बाराबंकी स्टेडियम के युवा खिलाड़ी नैमिष गुप्ता का चयन स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर में गोलकीपर के रूप में हुआ है। इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने शनिवार को उन्हें अपने सिविल लाइन स्थित आवास पर सम्मानित कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि बाराबंकी की पहचान हॉकी से जुड़ी रही है और नैमिष अपने प्रदर्शन से इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। नैमिष गुप्ता ने हॉकी में अपने खेल कौशल के दम पर स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर में जगह बनाई है। गोलकीपर के रूप में उनका चयन जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। चयन की जानकारी मिलते ही खेल जगत और परिवार में खुशी का माहौल है। पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने नैमिष को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलने से उनकी प्रतिभा निखरती है। उन्होंने नैमिष के चयन के लिए बाराबंकी हॉकी एसोसिएशन को भी बधाई दी। अरविंद सिंह गोप ने कहा कि बाराबंकी जनपद की पहचान लंबे समय से हॉकी खेल से जुड़ी रही है। उन्होंने खिलाड़ी को आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। खेल से जुड़े लोगों ने भी नैमिष की उपलब्धि को जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया। हॉकी एसोसिएशन बाराबंकी के सचिव मजहर अजीज खां ने बताया कि इस सत्र में बाराबंकी स्टेडियम से दो खिलाड़ियों का चयन हुआ है। सम्प्रीत टोप्पो का चयन झांसी स्पोर्ट्स हॉस्टल के लिए हुआ है, जबकि नैमिष गुप्ता ने स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर में स्थान बनाया है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के चयन को जनपद के लिए गौरव बताया। सम्मान समारोह में हॉकी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मोहम्मद असलम, चंदा रानी, शिवा गौतम, अब्दुल सईद खान सहित कई पूर्व खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी ने नैमिष को बधाई देते हुए उनके बेहतर खेल प्रदर्शन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों के चयन से बाराबंकी में हॉकी को लेकर नई उम्मीद जगी है।

दरियाबाद के पीड़ित परिवार को मिला राज्यमंत्री सतीश शर्मा का सहारा

एजेंसी

बाराबंकी। दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के गुलचप्पा कलां गांव में दीवार गिरने से हुई दुर्घटना में मृत दो बच्चों के परिजनों को राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने सहायता राशि के चेक वितरित किए। शनिवार को राज्यमंत्री ने दैवीय आपदा कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को चार-चार लाख रुपये के चेक सौंपे। यह हादसा गुरुवार को गुलचप्पा कलां गांव में हुआ था, जब एक जर्जर दीवार गांव के रास्ते पर गिर गई थी। इसकी चपेट में पांच बच्चे आ गए थे। हादसे में मुस्लिम के सात वर्षीय पुत्र हुजैफा और 14 वर्षीय पुत्री हाजरा बानो की मौत हो गई थी। हुजैफा की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी, जबकि हाजरा बानो ने बनीकोडर सीएचसी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस दुर्घटना में सलमान के आठ वर्षीय पुत्र हस्सान, चार वर्षीय पुत्री हानिया और अब्दुल मन्नान के 14 वर्षीय पुत्र मो. अदनान घायल हो गए थे। शुक्रवार को राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की थी। शनिवार को राज्यमंत्री ने नई सड़क स्थित अपने आवास पर मृत बच्चों के परिजनों को सहायता राशि के चेक वितरित किए। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए है कि जर्जर भवनों को चिन्हित करके कार्रवाई की जाए। इससे घटना की पुनरावृत्ति अब न हो। आगे किसी भी प्रकार की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान नायब तहसीलदार सुधाकर पाण्डेय, हल्का लेखपाल बृजेश अवस्थी, ग्राम प्रधान हामिद अंसारी, महेश गुप्ता, इबादुर्रहमान और मथुरा प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डाक विभाग वॉटरप्रूफ लिफाफे में भाइयों तक पहुंचाएगा स्नेह का धागा -रक्षाबंधन पर बहना को दें सुकन्या समृद्धि खाते का उपहार: मनोज कुमार श्रीवास्तव

एजेंसी

अयोध्या। रक्षाबंधन का पर्व इस बार 28 अगस्त को मनाया जाएगा। डाक विभाग ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है स भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक यह त्योहार देशभर में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। बदलते समय में लोग नौकरी व अन्य कारणों से अपने घरों से दूर रहते हैं, जिससे कई बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में डाक विभाग ने उनके लिए बड़ी राहत दी है इस प्रेम के धागे को पहुचाने के लिए वाटरप्रूफ लिफाफा उपलब्ध करवा रहा है। 10 रू के लिफाफे से स्पीड पोस्ट एवं पार्सल के माध्यम से देश विदेश में बहनों की राखी सुरक्षित भाई तक पहुंचाएगा । रक्षाबन्धन भाई बहन के प्रेम का पर्व है बहनें अपने भाइयों को रक्षाबन्धन भेजकर जो मधुर प्रेम का एहसास करती है इसीलिए डाक विभाग में रक्षाबंधन पर बहना को ष्सुकन्या समृद्धि खातेष का उपहार देने की अपील करते हुए अयोध्या मण्डल के अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस रक्षाबंधन के पर्व पर सभी भाई अपनी बहन के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सुकन्या समृद्धि खाता का उपहार भेंट करें । साथ ही श्री श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि बहन की राखी स्नेह बारिश में तो भीग ही जाती हैं लेकिन डाक विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि बहन जो राखी अपने भाईयों को भेजेंगी उस बरसात का पानी असर नही करेगा । भाई दूर शहरों मे रहता है तो बहने डाक विभाग से राखी भेजती है अक्सर लिफाफा कागज का और कमजोर होने के कारण फट जाता है कई बार बारिश के पानी से राखियां भीग जाने के कारण नष्ट भी हो जाता है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि डाक विभाग वाटरप्रूफ आकर्षक रंगीन लिफाफा बहनों को मुहैया कराने के साथ साथ सरल एवं सुगम तरीके से तत्काल उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करेगा । मण्डल कार्यालय में रक्षाबन्धन पर्व के अवसर एवं सुकन्या समृद्धि अभियान को गति देने के लिए अपने मातहतों के साथ बैठक भी किया इस दौरान अयोध्या मण्डल के अधीक्षक डाकघर श्रीवास्तव ने बताया कि डाक विभाग के अनुसार, राखी और मिठाई भेजने के लिए बहनें स्पीड पोस्ट, और पार्सल सेवाओं का उपयोग कर सकती हैं। यह अयोध्या अकबरपुर प्रधान डाकघर सहित मण्डल के सभी उप डाकघरों में राखी का वाटरप्रूफ लिफाफा उपलब्ध करा दिया गया है । रक्षाबन्धन भाई बहन के प्रेम का पर्व है बहनें अपने भाइयों को रक्षाबन्धन भेजकर जो मधुर प्रेम का एहसास करती है सभी भाई इस राखी पर बहना को दें ष्सुकन्या समृद्धि खातेष का उपहार, मात्र 250 रुपये में खाता खुलवाकर अपनी बहन के भविष्य को सँवारने का अपील किया ।

आजादी की निर्णायक तिथि है नौ अगस्त: राजनाथ शर्मा आज गांधी भवन में अगस्त क्रान्ति दिवस और काकोरी घटना पर विविध कार्यक्रम

एजेंसी

बाराबंकी। नौ अगस्त 1942 की घटना से पूरे देश ने एक स्वर में पूर्ण स्वराज्य का आह्वान किया था। सही मायने में इसी तिथि को भारत की स्वतंत्रता की निर्णायक तिथि मानकर उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। 9 अगस्त का यह दिन जन दिवस है। जब पूरा देश एकजुट होकर महात्मा गांधी के साथ चल पड़ा था। लेकिन 1942 की क्रांति के साथ ही एक अंदरूनी विघटन का वातावरण बनना शुरू हुआ जिसके कारण न सिर्फ औपचारिक स्वतंत्रता में देर लगी बल्कि देश दो टुकड़ों में बँट गया। इस विभाजन की चोट के कारण शायद हम उस आजादी के बिगुल की आवाज को भूल से गए जो 1942 में बजा था। यह बात शनिवार को गांधी भवन में वरिष्ठ गांधीवादी चिन्तक राजनाथ शर्मा ने अगस्त क्रान्ति दिवस और काकोरी टेज्न एक्शन की वर्षगांठ पर आयोजित होने कार्यक्रम की तैयारी बैठक में कही। उन्होंने कहा कि डॉ. रामनोहर लोहिया ने अगस्त क्रान्ति की 25वीं वर्षगांठ पर मुंबई के समाजवादी स्व. जी.जी पारिख को लिखे पत्र में कहा था ह्य15 अगस्त राज का दिवस है। 9 अगस्त जन दिवस है। कोई एक दिन ऐसा जरूर आएगा जब 9 अगस्त के सामने 15 अगस्त फीका पड़ेगा और हिन्दुस्तानी अमेरिका और फ्रांस के 4 व 14 जुलाई, जो जन दिवस है, की तरह 9 अगस्त को मनाएंगे।ह्न 9 अगस्त को स्वाधीनता दिवस मनाया जाए यह मुहिम पिछले डेढ़ दशक से चला रहे है। उनके साथ इस अन्दोलन में दिल्ली के वरिष्ठ समाजवादी साथी प्रो. राजकुमार जैन, वरिष्ठ पत्रकार कुर्बान अली, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एस.एस नेहरा भी जुड़े है। जो हर साल अगस्त क्रान्ति दिवस पर नई दिल्ली में महात्मा गांधी की समाधि से आचार्य नरेन्द्र देव स्मारक तक पदयात्रा निकाल कर जनजागरण करते है। श्री शर्मा ने बताया कि 9 अगस्त 1925 को पं रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में कुछ क्रान्तिकारियों ने काकोरी स्टेशन पर सरकारी खजाने को लूटकर ब्रितानिया हुकूमत के खिलाफ आजादी का बिगुल फूंका था। इस घटना के 101 वर्ष पूरे हो रहे है। 9 अगस्त को गांधी भवन में सुबह 9:30 बजे झण्डारोहण किया जाएगा। तदोपरान्त जन दिवस और स्वतंत्रता दिवस के मायने विषयक परिचर्चा आयोजित होगी। उक्त कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के अध्यक्ष रामसेवक यादव, वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ समाजवादी चिन्तक नवीन तिवारी सहित कई अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे। वहीं सायंकाल रेठ नदी में शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। बैठक में विनय कुमार सिंह, अताउर्रहमान कुरैशी, मृत्युंजय शर्मा, साकेत संत मौर्य, राकेश शर्मा, नीरज दूबे, अशोक जायसवाल, सत्यवान वर्मा, रामू वर्मा, शिवा शर्मा, मनीष सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।